वर्ष-10, अंक 61 पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज गुरुवार 09 मई, 2024
प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

'साउथ चाइना सी' को लेकर मुखर हो रही है भारत की नीति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। साउथ चाइना सी को लेकर भारत की नीति भी ज्यादा मुखर होने लगी है। भारतीय नौसेना के ईस्टर्न कमांड के तीन पोत साउथ चाइना सी में तैनाती के लिए रवाना हो चुके हैं। आइएनएस दिल्ली, आइएनएस शक्ति और आइएनएस किल्तन

इस क्रम में सिंगापुर पहुंचे हैं। दोनों देशों की नौ सेनाओं के बीच हाल के वर्षों में संपर्क काफी बढ़ गया है। अब पहले के मुकाबले ज्यादा संवाद हो रहा है और नौ सेना के जहाजों का एक दूसरे के बंदरगाहों पर आवागमन भी बढ़ गया है। जानकार भारत और सिंगापुर की नौ सेनाओं के बीच संपर्क व संवाद बढ़ने के पीछे साउथ चाइना सी में चीन की बढ़ती आक्रामक गतिविधियों को भी बताते हैं। इसके ठीक तीन दिन पहले ही भारत का प्रमुख उद्योग समूह अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी पो?ट्र्स स्पेशल इकोनोमिक जोन (एपीएसईजेड) ने साउथ चाइना सी के पास फिलीपींस के शहर बातान में एक पोर्ट बनाने और एयरपोर्ट बनाने का प्रस्ताव किया है जिसे फिलीपींस की सरकार की तरफ से जल्द ही मंजूरी दिए जाने के आसार है। जानकारों के मुताबिक पूर्वी लद्दाख के पास स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के कुछ हिस्सों को लेकर अप्रैल, 2020 से जारी विवाद को सुलझाने में चीन के अड.ियल रवैये को देखते हुए भारत का रुख भी बदल रहा है।भारतीय नौ सेना की तरफ से बताया गया है कि, 06 मई, 2023 को भारतीय पोतों का सिंगापुर में जबरदस्त स्वागत किया गया है। यह यात्रा भारतीय नेवा के ईस्टर्न कमांड के साउथ चाइना सी में परिचालन तैनाती के तहत आयोजित की गई है। भारत और सिंगापुर के नौ सेना के बीच काफी पहले से अच्छे संबंध हैं जो इन पोतों की यात्रा से और मजबूत होंगे।

अरुणाचल प्रदेश में महसूस किए गए भूकंप के झटके, 3.1 मापी गई तीव्रता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।अरुणाचल प्रदेश में बुधवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं जिसकी तीव्रता 3.1 रही। वहीं राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र (एनएसएमसी) के अनुसार अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप के झटके सुबह चार बजकर 55 बजे महसूस किए गए। वहीं, पिछले कई महीनों में कश्मीर से लेकर भारत के अन्य जगहों पर भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं।अरुणाचल प्रदेश में बुधवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं जिसकी तीव्रता 3.1 रही। वहीं राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र (एनएसएमसी) के अनुसार अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप के झटके सुबह चार बजकर 55 बजे महसूस किए गए। वहीं पिछले कई महीनों में कश्मीर से लेकर भारत के अन्य जगहों पर भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं।

तमिलनाडु में 666 करोड़ रुपये के सोने के गहनों से भरा कंटेनर पलटा, दो लोग घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चेन्नई। इरोड के निकट चिटोड में सोमवार 666 करोड़ रुपये के 810

किग्रा सोने के गहनों को लेकर जा रहा निजी कंटेनर पलट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गहनों को को नए वाहन में रखवाकर गंतव्य के लिए रवाना कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि निजी लाजिस्टिक कंपनी का गहनों से लदा कंटेनर कोयंबटूर से सलेम जा रहा था। इरोड के निकट चिटोड में सोमवार 666 करोड़ रुपये के 810 किग्रा सोने के गहनों को लेकर जा रहा निजी कंटेनर पलट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गहनों को को नए वाहन में रखवाकर गंतव्य के लिए रवाना कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि निजी लाजिस्टिक कंपनी का गहनों से लदा कंटेनर कोयंबटूर से सलेम जा रहा था। हालांकि, समथुवापुरम के निकट मोड़ पर चालक शशि कुमार वाहन से नियंत्रण खो बैठा और वाहन पलट गया। हादसे में चालक शशि कुमार और सशस्त्र सुरक्षाकर्मी बलराज गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर चिटोड पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, कंटेनर में रखे आभूषणों पर कोई असर नहीं पड़ा। गहने प्राप्त करने वाले और भेजने वाले ने घटना की जानकारी पर नया वाहन और सुरक्षा कर्मी मौके पर भेज दिया। इसके बाद आभूषणों को पलटे वाहन से नए वाहन में रखवाकर सलेम के लिए रवाना कर दिया गया।

'विकसित भारत सिर्फ नारा नहीं यह तो, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा- दुनिया हमें देख रही है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विकसित भारत सिर्फ एक नारा नहीं, भारत के भविष्य के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता है।

विकसित भारत की हमारी यात्रा अगले 25 वर्षों की वास्तविकता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह बात हंसराज कालेज के 75 वर्ष पूर्ण होने पर कालेज में विकसित भारत 2047 की संकल्पना विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में कही। भारत की महत्वाकांक्षा पर जोर देते हुए जयशंकर ने कहा कि हम दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की छवि मित्रतापूर्ण लेकिन निष्पक्ष है। आज का भारत आतंकवाद से बहुत अलग तरीके से निपटता है। उन्होंने कहा कि हम पर रूस से तेल न खरीदने का अंतरराष्ट्रीय दबाव था। भारत ने कहा कि हमारे हितों के लिए यह आवश्यक है कि हम तेल खरीदें। जयशंकर ने कहा कि दुनिया हमें देख रही है। वे इन 25 वर्षों को नए अवसरों, नई प्रौद्योगिकी और नई चुनौतियों की अवधि के रूप में देखते है।

रूस-यूक्रेन युद्ध मानव तस्करी मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, रूसी समेत चार को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में भारतीयों को भेजने वाले मानव तस्करी नेटवर्क में कथित रूप से संलिप्त चार लोगों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। इनमें रूसी रक्षा मंत्रालय में संविदा पर कार्यरत अनुवादक भी शामिल है। वाले दो लोगों अरुण और येसुदास जूनियर उर्फ प्रियन को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य आरोपितों रूसी रक्षा मंत्रालय में एक संविदा अनुवादक निजिल जोबी बेंसम और मुंबई निवासी एंथनी माइकल एलंगोवन को 24 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। बेंसम और

अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में अभी कुछ और लोगों को गिरफ्तार किया जा सकता है।रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में भारतीयों को भेजने वाले मानव तस्करी नेटवर्क में कथित रूप से संलिप्त चार लोगों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। इनमें रूसी रक्षा मंत्रालय में संविदा पर कार्यरत अनुवादक भी शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में अभी कुछ और लोगों को गिरफ्तार किया जा सकता है। एजेंसी ने मानव तस्करी से संबंधित मामला दर्ज किया है।सीबीआई ने देर रात एक बयान में बताया कि जांच एजेंसी ने मंगलवार को केरल के तिरुअनंतपुरम से भर्ती करने एलंगोवन न्यायिक हिरासत में हैं।एक अधिकारी ने बताया कि बेंसम रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती करने वाले रूस में संचालित नेटवर्क के प्रमुख सदस्यों में से एक था। बयान के मुताबिक, एंथनी माइकल दुबई में अपने सह-आरोपित फैसल बाबा और रूस में स्थित अन्य लोगों की चेनन्ई में वीजा प्रक्रिया पूरी करवाने और पीड़ितों के रूस जाने के लिए हवाई टिकट बुक करने में मदद कर रहा था।अरुण और येसुदास जूनियर रूसी सेना के लिए केरल और तमिलनाडु से संबंधित भारतीय नागरिकों की भर्ती करने वाले मुख्य व्यक्ति थे।

केरल में ट्रेन की चपेट में आकर हथनी की मौत, लोको पायलट के खिलाफ मुकदमा दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
पलक्कड़। कांजीकोड के पास ट्रेन की चपेट में आने से हथनी की मौत मामले में केरल के वन विभाग ने त्रिवेंद्रम मेल के लोको पायलट

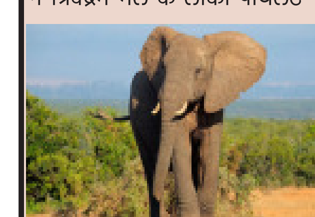

पर मुकदमा दर्ज किया है। कांजीकोड के पास सोमवार देर रात चेनन्ई जा रही त्रिवेंद्रम मेल की चपेट में आने से हथनी की मौत हो गई थी। जिले में एक महीने के भीतर यह इस तरह की दूसरी घटना है। कांजीकोड के पास ट्रेन की चपेट में आने से हथनी की मौत मामले में केरल के वन विभाग ने त्रिवेंद्रम मेल के लोको पायलट पर मुकदमा दर्ज किया है। कांजीकोड के पास सोमवार देर रात चेनन्ई जा रही त्रिवेंद्रम मेल की चपेट में आने से हथनी की मौत हो गई थी। जिले में एक महीने के भीतर यह इस तरह की दूसरी घटना है। केरल के वन मंत्री एके सशींद्रन ने मंगलवार को कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि ट्रेन की रफ्तार निर्धारित गति सीमा से अधिक थी। लोको पायलट के खिलाफ वन्यजीव अधिनियम के प्रासंगिक प्रविधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा कि जांच से संकेत मिलता है।

तीसरे चरण में 61.55 प्रतिशत मतदान, असम में सबसे ज्यादा तो महाराष्ट्र में सबसे कम पड़े वोट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मंगलवार को 11

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 लोकसभा सीटों पर 61.55 प्रतिशत मतदान हुआ। इस दौरान बंगाल में छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद मतदान शांतिपूर्ण रहा। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांधीनगर में तो गृह मंत्री शाह ने अहमदाबाद में मतदान किया। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मंगलवार को 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 लोकसभा सीटों पर 61.55 प्रतिशत मतदान हुआ। तीसरे चरण में 75.30 प्रतिशत के साथ सबसे ज्यादा मतदान असम में हुआ है। वहीं बंगाल में 73.93 प्रतिशत और सबसे कम 54.98 प्रतिशत मतदान महाराष्ट्र में हुआ है। चुनाव आयोग के अनुसार बिहार की पांच सीटों पर 60 प्रतिशत मतदान हुआ है।

सीबीआई ने एकत्र किए एनटीपीसी के अधिकारी की आवाज के नमूने, 8 लाख रुपये रिश्वत लेने का है आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सीबीआई ने एनटीपीसी के निलंबित कॉर्पोरेट संचार प्रबंधक विजय कुमार की आवाज के नमूने एकत्र कर लिए हैं। विजय कुमार

को एक विज्ञापन कंपनी से आठ लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने पूछताछ के दौरान एकत्र किए गए टेलीफोन इंटरसेप्ट और अन्य सुबूतों से मिलान करने के लिए कुमार की आवाज के नमूने लिए हैं। सीबीआई ने एनटीपीसी के निलंबित कॉर्पोरेट संचार प्रबंधक विजय कुमार की आवाज के नमूने एकत्र कर लिए हैं। विजय कुमार को एक विज्ञापन कंपनी से आठ लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के अनुसार सीबीआई ने पूछताछ के दौरान एकत्र किए गए टेलीफोन इंटरसेप्ट और अन्य सुबूतों से मिलान करने के लिए कुमार की आवाज के नमूने लिए हैं। अधिकारियों ने कहा कि विज्ञापन कंपनी वेंचर्स एडवरटाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ हुई कुमार की बातचीत और कॉल से उनका सामना कराने के लिए उनके फोन की फोरेंसिक इमेजिंग भी की गई है। कुमार पर आरोप है कि उन्होंने कंपनी के लंबित बिलों को मंजूरी देने के लिए रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने कहा कि अगर कुमार के फोन के विश्लेषण से रिश्वतखोरी के अन्य मामलों के सुबूत मिलते हैं, तो एजेंसी आगे भी मामले दर्ज कर सकती है। अधिकारियों ने बताया कि कुमार को मुंबई की एक विशेष अदालत ने 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अगर अंतरिम जमानत दी भी जाती है तो सीएम के तौर पर काम नहीं करेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।अंतरिम जमानत की उम्मीद लगाए बैठे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत का

आदेश नहीं आया। कोर्ट ने अंतरिम जमानत पर कोई आदेश नहीं दिया साथ ही जो टिप्पणी की उससे केजरीवाल का मुख्यमंत्री के तौर पर काम करते रहने का इरादा जरूर हतोत्साहित होता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर उन्हें चुनाव के दौरान अंतरिम जमानत दी जाती है तो वह मुख्यमंत्री के तौर पर काम नहीं करेंगे न किसी फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे क्योंकि इसका व्यापक और दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। अगली सुनवाई गुरुवार को है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से भी कई सवाल किए।मुख्यमंत्री केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में जेल में बंद हैं सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर उन्हें चुनाव के दौरान अंतरिम जमानत दी जाती है तो वह मुख्यमंत्री के तौर पर काम नहीं करेंगे, न किसी फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे क्योंकि इसका व्यापक और दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। अगली सुनवाई गुरुवार को है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से भी कई सवाल किए कोर्ट ने पूछा कि ईडी ने शुरुआती जांच और पूछताछ में दर्ज किए गए अभियुक्तों के बयानों में केजरीवाल से संबंधित सवाल क्यों नहीं पूछे। जांच को दो साल हो रहे हैं इतना समय कैसे लगा। इसके अलावा कोर्ट ने ईडी को मामले की केस डायरी और दस्तावेज पेश करने को कहा है। सुनवाई का समय समाप्त होने पर कोर्ट केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर कोई आदेश दिये बगैर गुरुवार को फिर सुनवाई होने का संकेत देते हुए उठ गया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में जेल में बंद हैं। ईडी ने उन्हें 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में गिरफ्तारी को चुनौती दी है हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी को वैध ठहराया था। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने कहा था कि मामले पर बहस लंबी चल सकती है इसलिए कोर्ट चुनाव को देखते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने पर विचार कर सकता है और दोनों पक्ष बहस के लिए तैयार होकर आएं। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजीव खनन और दीपांकर दत्ता की पीठ कर रही है।

'चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सामूहिक रूप से आवाज उठाए विपक्ष', कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने ईसी के खिलाफ विपक्षी नेताओं को लिखा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा चुनाव के दो चरणों के मतदान के आंकड़े जारी करने में चुनाव आयोग की देरी पर सवाल उठाते हुए विपक्षी आइएनडीआइए गठबंधन के नेताओं को पत्र लिख चुनाव आयोग की स्वतंत्र कार्यप्रणाली की रक्षा करने के लिए सामूहिक आवाज उठाने की जरूरत बताई है। वोटिंग आंकड़े में विलंब के साथ ही चुनाव क्षेत्र के पंजीकृत मतदाताओं और मतदान करने वाले लोगों का आंकडा जारी नहीं करने पर

चिंता जताते हुए आयोग से इसका कारण पूछा है कांग्रेस अध्यक्ष ने आइएनडीआइए गठबंधन के नेताओं को पत्र लिख पहले दो चरणों के वोटिंग का आंकड़ा जारी करने में देरी समेत चुनाव आयोग पर कई सवाल दागे। आइएनडीआइए के वरिष्ठ नेता शरद पवार को लिखे पत्र की प्रति खरगे ने अपने एक्स पोस्ट पर जारी की। खरगे ने कहा कि हालिया घटनाक्रम से जाहिर है कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता अब तक के सबसे निचले स्तर पर है कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए यह भी कहा ''हम सभी जानते हैं कि पहले दो चरणों में मतदान के रुझान और कमजोर होते चुनावी भविष्य से पीएम मोदी और भाजपा किस तरह घबराए हुए और निराश हैं। पूरा देश जानता है कि सत्ता के नशे में चूर एक निरंकुश शासन कुर्सी पर बने रहने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।'' आइएनडीआइए के वरिष्ठ नेता शरद पवार को लिखे पत्र की प्रति खरगे ने अपने एक्स पोस्ट पर जारी की। खरगे ने कहा कि हालिया घटनाक्रम से जाहिर है कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। तीसरे चरण की अंतिम पंजीकृत मतदाता सूची भी जारी नहीं की गई। खरगे ने आरोप लगाया है कि इससे चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर संशय के काले बादल मंडरा रहे है और अपने 52 साल के चुनावी जीवन में कभी भी अंतिम प्रकाशित आंकड़ों में मतदान प्रतिशत में इतनी अधिक वृद्धि उन्होंने नहीं देखी है। खरगे ने पूछा कि क्या इवीएम को लेकर कोई समस्या है? पहले चरण के लिए मतदान की समाप्ति की तारीख और आंकड़ा जारी करने में हुए विलंब तक मतदान प्रतिशत में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि क्यों हुई है? मतदान आंकड़े में संसदीय क्षेत्र और संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गए वोट जैसे महत्वपूर्ण आंकड़ें क्यों नहीं जारी किए गए हैं? खरगे ने कहा है कि आयोग के अनुसार उम्मीदवारों के पो लग एजेंटों के पास प्रत्येक मतदान केंद्र का सटीक मतदाता डेटा होता है। इसका मतलब है कि आयोग के पास यह आंकड़ा है तो फिर लोगों के लिए प्रकाशित करने से क्या रोक रहा है।

केरल के कासरगोड में भीषण सड़क हादसा, एंबुलेंस और कार की टक्कर में 3 लोगों की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कासरगोड (केरल)। केरल के कासरगोड में मंजेश्वरम के पास एक एम्बुलेंस और कार की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। इस सड़क हादसे में मंगलवार को 54 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके दो बेटों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान त्रिशूर जिले के पी शिवकुमार और उनके बेटे सारथ (23) और सौरव (15) के रूप में की गई है। केरल के कासरगोड में मंजेश्वरम के पास एक एम्बुलेंस और कार की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। इस सड़क हादसे में मंगलवार को 54 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके दो बेटों की मौत हो गई।

प्रयागराज के कटरा वार्ड में जनसमस्या निवारण केंद्र का उद्घाटन माननीय विधायक शहर उत्तरी श्री हर्ष वर्धन बाजपाई द्वारा किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन हुआ। कटरा की जनता सम्मिलित हुई। अतिथि श्रीमती गोल्डी पटेल (पतनी भाजपा सांसद प्रत्याशी प्रवीण पटेल जी), दीपक पटेल जी(पूर्व विधायक) सुरेंद्र चौधरी एमएलसी, जी एवं विश्व विद्यालय मंडल अध्यक्ष श्री अवनीश तिवारी जी , मंडल उपाध्यक्ष श्री रमेश शुक्ला जी उपस्थित रहे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में दो दिवसीय कौशल विकास किताब प्रदर्शनी का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। कौशल विकास के तत्वधान में प्रदर्शनी का उद्घाटन आज। यातायात निरीक्षक उत्तर प्रदेश पुलिस पवन पाण्डेय के कर कमलो द्वार किया गया जिसका कौशल विकास नवीनतम प्रकाशन के आउटपुट का प्रकाशन किया गया मुख्य अतिथि यातायात निरीक्षक उत्तर प्रदेश पुलिस प्रयागराज पवन पाण्डेय ने कौशल विकास के विषय में चर्चा की एवं यातायत प्रबंधं के विषय में भी बताया गया।

जलस्तर घटने के चलते गंगा-यमुना से हिल्सा मछली विलुप्त, नदियों में छोड़े गए बच्चे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। हिल्सा मूलतः समुद्री मछली है। इसे बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली का दर्जा प्राप्त है। ये मछलियां बारिश के मौसम में प्रजनन करने के लिए समुद्र से गंगा और यमुना में आती थीं। गंगा व यमुना के मीठे पानी में अंडे देने के बाद फिर समुद्र में लौट जाती थीं। नदियों की सैर करते यह मछलियां प्रयागराज, कानपुर और आगरा तक पहुंच जाती थीं। माछेर राजा यानी मछलियों का राजा कही जाने वाली हिल्सा अब गंगा व यमुना से विलुप्त हो गई है। बीते डेढ़ दशक से दोनों नदियों में इनके नहीं दिखने पर केंद्रीय अंतर्स्थलीय मत्स्य अनुसंधान केंद्र (सिफरी) की टीम ने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर स्थित अपने मुख्यालय के जरिए इनके बच्चे गंगा में छोड़े हैं। सिफरी की टीम ने कुछ हफ्ते पहले ही इसका सर्वे किया था। हिल्सा मूलतः समुद्री मछली है। इसे बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली का दर्जा प्राप्त है। ये मछलियां बारिश के मौसम में प्रजनन करने के लिए समुद्र से गंगा और यमुना में आती थीं। गंगा व यमुना के मीठे पानी में अंडे देने के बाद फिर समुद्र में लौट जाती थीं। नदियों की सैर करते यह मछलियां प्रयागराज, कानपुर और आगरा तक पहुंच जाती थीं। सिफरी प्रयागराज के प्रभारी डीएन झा बताते हैं कि 1975 में गंगा नदी में फरक्का बैराज बनने के बाद समुद्र से नदियों की ओर आ पाना हिल्सा के लिए मुश्किल हो गया।

उज्जवल रमण बोले- तथ्यों को नहीं छिपाया, पांच साल पहले दर्द मुकदमे की नहीं थी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। इलाहाबाद सीट के चुनाव अधिकारी सीडीओ गौरव कुमार ने सुनवाई के लिए दोनों प्रत्याशियों को मंगलवार को दो बजे बुलाया था। सुनवाई के बाद दोनों ही प्रत्याशियों के नामांकन वैध पाए गए। उज्ज्वल रमण का कहना था कि उन्होंने तथ्यों को नहीं छिपाया इलाहाबाद सीट से कांग्रेस उम्मीदवार उज्ज्वल रमण सिंह और भाजपा के नीरज त्रिपाठी ने एक-दूसरे की शिकायत की थी। उज्ज्वल के खिलाफ शिकायत थी कि उन पर नैनी थाने में धारा 144 का उलुंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज हैं। यह मुकदमा 2020 में दर्ज हुआ था, लेकिन हलफनामा में उन्होंने इस तथ्य का उल्लेख नहीं किया है। इसी तरह नीरज त्रिपाठी के खिलाफ हलफनामा में संपत्ति के बारे में सही जानकारी नहीं देने समेत अन्य शिकायतें थीं। इलाहाबाद सीट के चुनाव अधिकारी सीडीओ गौरव कुमार ने सुनवाई के लिए दोनों प्रत्याशियों को मंगलवार को दो बजे बुलाया था। सुनवाई के बाद दोनों ही प्रत्याशियों के नामांकन वैध पाए गए। उज्ज्वल रमण का कहना था कि उन्होंने तथ्यों को नहीं छिपाया। इस मुकदमे की उन्हें जानकारी ही नहीं थी। इसका कोई नोटिस भी नहीं आया है। नामांकन पत्रों की जांच के दिन अचानक उन्हें बुलाया गया तब पता चला।

बीएचयू में अनशन की चेतावनी पर हृदय रोग विभागाध्यक्ष को नोटिस, कुलसचिव ने 7 दिन में मांगा जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी । आईएमएस बीएचयू के हृदय रोग के विभागाध्यक्ष प्रो. ओमशंकर को कुलसचिव ने नोटिस जारी कर एक सप्ताह में जवाब मांगा है। नोटिस में कुलसचिव ने प्रो. ओमशंकर पर विश्वविद्यालय के नियमों की अवहेलना का हवाला दिया है। आईएमएस बीएचयू के हृदय रोग विभाग को आवंटित बेड न मिलने का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। आठ मार्च को आईएमएस निदेशक प्रो. एसएन संखवार, संकाय प्रमुख के लिखित आश्वासन के बाद अनशन स्थगित करने के बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर विभागाध्यक्ष प्रो. ओमशंकर ने एक बार फिर 11 मई से वीसी आवास के सामने अनशन करने का निणर्य लिया है। उधर, इस मामले को लेकर बीएचयू के कुलसचिव प्रो. एके सिंह ने विभागाध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा है। नोटिस में कुलसचिव ने प्रो. ओमशंकर पर वीसी पर टिप्पणी करने और विश्वविद्यालय के नियमों की अवहेलना का हवाला दिया है। बुधवार को विभाग में प्रेस कांफ्रेंस कर प्रो. ओमशंकर ने कहा कि आठ मार्च को निदेशक, संकाय प्रमुख ने मांगो को पूरा करने का जो लिखित आदेश दिया था उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब आरपार की लड़ाई होगी। जब तक हमारी मांगों पर लिखित कार्यवाही नहीं हो जाएगी, तब तक अनशन खत्म होने वाला नहीं है।

07 मई से प्रारम्भ हो रही नामांकन प्रक्रिया को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने कलेक्ट्रेट में सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के सातवें चरण हेतु 79-मीरजापुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिये नामांकन प्रक्रिया 07 मई 2024 दिन मंगलवार से प्रारम्भ होगा। नामांकन प्रक्रिया को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पनन कराने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन, पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल के साथ कलेक्ट्रेट परिसर का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया तथा पर्याप्त मात्रा में आवश्यकतानुसार बैरीकेटिंग कराने व सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस फोर्स लगाये जाने पर विस्तृत चर्चा की गयी। जनपद में नामांकन प्रक्रिया 07 मई 2024 से प्रारम्भ होकर 14 मई 2024 दिन मंगलवार तक चलेगा। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नक्सल ओम प्रकाश सिंह, नगर मजिस्ट्रेट लाल बहादुर सिंह, सहायक निर्वाचन अधिकारी आलोक शर्मा उपस्थित रहें।

सातवें चरण के लिये कल 07 मई से प्रारम्भ होकर 14 मई तक किया जा सकेगा नामाकंन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। मीरजापुर, 06 मई, 2024- लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के सातवें चरण के लिये जनपद मीरजापुर में कल 07 मई 2024 से नामाकंन कार्य आरम्भ होगा। नामाकंन की प्रक्रिया 14 मई 2024 तक प्रत्येक दिन सुबह 11 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय कक्ष कलेक्ट्रेट में किया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने जानकारी देते हुये बताया कि नामाकंन प्रक्रिया के लिये जिला प्रशासन के द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। उन्होने बताया कि दिनांक 11 मई 2024 को द्वितीय शनिवार व 12 मई 2024 को रविवार का सार्वजनिक अवकाश होने के कारण नामाकंन नही किया जा सकेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल ने नामाकंन व सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि 07 मई 2024 से नामांकन प्रक्रिया प्रारम्भ होकर 14 मई 2024 तक जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय कक्ष कलेक्ट्रेट में प्रातः 11 बजे से 03 बजे तक किया जायेगा। 15 मई 2024 को नामाकंन पत्रो की जांच तथा 17 मई 2024 को नाम वापसी व प्रतीक चिन्ह आवंटन का कार्य किया जायेगा। तत्पश्चात 01 जून 2024 को मतदान और 04 जून 2024 को मतगणना सम्पनन होगी। उन्होने बताया कि मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो के प्रत्याशियों को एक प्रस्तावक तथा गैर मान्यता/निर्दल प्रत्याशियों के लिये 10 प्रस्तावक अनिवार्य होगा। नामाकंन की सुरक्षा व्यवस्था के लिये कलेक्ट्रेट सहित रमई पट्टी तिराहा व शैलेश तिराहा (टी0वी0 अस्पताल तिराहा) की तरफ बैरीकेटिंग की गयी है, रमई पट्टी तिराहा से मात्र एक गाड़ी/वाहन अभ्यर्थी/प्रत्याशी को कलेक्ट्रेट के गेट नम्बर एक तक अनुमन्य की जायेगी। उन्होने बताया कि नामांकन दिवस पर सभा, जुलूस व वाहन आदि के लिये पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

वाराणसी में नामांकन के दौरान हंगामा, पीडीएम के कार्यकर्ताओं और वकीलों में हुई नोकझोंक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी । बुधवार को लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन के दौरान कलेक्ट्रेक के बाहर हंगामा शुरू हो गया। पीडीएम के कार्यकर्ता और अधिवक्ताओं में नोकझोंक हुई। वाराणसी लोकसभा के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है। सात मई से शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया का सिलसिला 14 मई तक जारी रहेगा। नामांकन के दूसरे दिन बुधवार को कई प्रत्याशी कलेक्ट्रेट पर्चा दाखिल करने पहुंचे। पीडीएम प्रत्याशी गगन प्रकाश यादव नामांकन करने बुधवार को कलेट्रेट पहुंचे। इस दौरान पीडीएम के कार्यकर्ता और अधिवक्ताओं में किसी बात को लेकर नोकझोंक हो गई, जिसके बाद पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। राष्ट्रीय समाज वादी जन क्रांति पार्टी के पारसनाथ केशरी ने नामांकन किया। पार्टी के स्टार प्रचारक राकेश चंद पांडेय ने जुलूस के साथ पारसनाथ केशरी को नामांकन दाखिल कराया।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत मतदेय स्थलो पर न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। मीरजापुर, 06 मई, 2024- लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल सम्पनन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों व खण्ड विकास अधिकारियों को उनके विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत मतदये स्थलो पर पायी गयी कमियो की सत्यापन करा लें इसी जिन आंगनबाड़ी केन्द्रो व पंचायत भवनो में मतदेय स्थल बनाये गये है उनसे सम्बन्धित अधिकारी जिला कार्यक्रम

कराने हेतु समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रो के समस्त बूथो का जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा भौतिक सत्यापन कराया गया जिसमें प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार कतिपय मतदेय स्थलो पर कुछ कमियां पायी गयी है जिसके दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सभी उप जिला मजिस्ट्रेट व खण्ड विकास अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देशित करते हुये कहा कि सभी सूची उपलब्ध करा दी गयी हैं। प्राप्त करायी गयी सूची के अनुसार भारत निर्वाचन आयोग के मंशानुरूप सभी न्यूनतम सुविधाए/ए0एन0एफ0 की सुविधा एक सप्ताह के अन्दर सुनिश्चित कराते हुये उसकी फोटोग्राफ उपलब्ध करायें। उन्होने कहा कि गर्मी के दृष्टिगत पेयजल हेतु विशेष व्यवस्था के साथ छाया, शौचालय, व्हील चेयर, मतदान कक्ष में खिड़कियो आदि के फर्नीचर आदि सत्यापन करा लें। उन्होने कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अपने से सम्बन्धित विद्यालयों का अधिकारी व जिला पंचायत राज अधिकारी सत्यापन कराते हुये सभी मूल भूत सुविधाए उपलब्ध होने का प्रमाण पत्र उपलब्ध करायें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे देवेन्द्र प्रताप सिंह, नगर मजिस्ट्रेट लाल बहादुर सिंह, उप जिलाधिकारी सदर आसाराम वर्मा, डिप्टी कलेक्टर भरत लाल सरोज, उपायुक्त एन0आर0एल0एम0 अनय मिश्रा सहित सभी विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहें।

डॉ. कृति राष्ट्रीय होम्योपैथिक सेवा रत्न पुरस्कार से हुई पुरस्कृत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अगर हौसल बुलंद हो तो सफलता कदम चूमेंगी। यह चंद लाइने भारत के बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ चार राज्यों से घिरे हुए आदिवासी बाहुल्य एकमात्र जनपद सोनभद्र के मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज की डॉक्टर परिश्रम मेहनत उत्तरदायी होता है। होम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली वर्तमान समय में एक सशक्त चिकित्सा पद्धति के रूप में उभर कर पूरे विश्व के सामने आई है। कोरोना संक्रमण काल में यह चिकित्सा पद्धति मानव जीवन की रक्षक साबित हुई। कार्यक्रम के

कृति श्रीवास्तव पर सटीक बैठती है।सोनभद्र के हेनीमैन के नाम से विख्यात जयप्रभा होम्यो सदन के संस्थापक, सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर जयराम लाल श्रीवास्तव के परिवार में जन्मी, सुप्रसिद्ध समाजसेवी, होम्योपैथ चिकित्सक डॉक्टर कुसुमाकर श्रीवास्तव की पुत्री है। ग्रेटर नोएडा में अखिल भारतीय चिकित्सा संगठन एवं अन्य संगठनों के सहयोग से वैक्सीन होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के सीएमडी डॉक्टर एसपीएस बक्शी द्वारा भव्य समारोह में राष्ट्रीय होम्योपैथिक सेवा रतन पुरस्कार 2024 से डॉक्टर कृति श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान/संगोष्ठी समारोह मे अपना विचार व्यक्त करते हुए डॉक्टर कृति श्रीवास्तव ने कहा कि-ठसफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता और प्रत्येक व्यक्ति के सफलता के पीछे कठिन मुख्य अतिथि डॉ एसपी एस बख्शी ने होम्योपैथिक चिकित्सकों को एलर्जी कॉन्सेप्ट पर संबोधित करते हुए कहा कि-यह रोग वंशानुगत होता है और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए 2026 तक घर-घर में होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति पहुंचेगी और घर में रखने वाली ओटीएस की तैयारी व्यापक पैमाने पर की जा रही है। संगोष्ठी में डॉ विश्वरूप चौधरी, डॉक्टर ऋषिपाल, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अमिताभ सिन्हा आदि चिकित्सकों द्वारा होम्योपैथी के महत्व, गुणवत्ता और आधुनिक समय में इस चिकित्सा पद्धति की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सहित बंगाल, बिहार, गुजरात, राजस्थान, झारखंड, महाराष्ट्र, बिहार, पंजाब, हरियाणा आदि राज्यों के चिकित्सकों को राष्ट्रीय होम्योपैथी सेवा रतन पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल गरीबो को पिलाया शरबत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बुधवार को भारतीय उधोग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे श्रद्धेय पं श्याम बिहारी मिश्र के जन्म जयंती को उ प्र उधोग व्यापार मण्डल सोनभद्र ने सेवा समर्पण दिवस के रूप में मनाया मुख्य कार्यक्रम बढौली चौक पर आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष राजेश गुप्ता व पदाधिकारियों ने पं श्याम बिहारी मिश्र व लाला विशम्भर दयाल के चित्र पर माल्यापर्ण कर शरबत वितरण का शुभ आरंभ किया। जिला अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि पंण्डित जी का सारा जीवन व्यापारियों के लिए समर्पित रहा आज व्यापार मण्डल उनके अथक प्रयासों से पूरे देश में व्यापारियों की समस्याओं के लिए संर्धष कर रहा है बरिष्ठ उपाध्यक्ष संदीप सिहं चन्देल ने कहा की उनके प्रेरणा से पूरे प्रदेश में व्यापार मण्डल नई उचाइ्यो पर है जिला महामंत्री राजेश बंसल ने पं जी संर्धषो सदा व्यापारी हितो के लिए रहा व्यापार मण्डल के सभी पदाथिकारीयो ने पं जी के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी अपनी श्रद्धांजलि दी कार्यक्रम में जिला कोषाध्यक्ष अजीत जायसवाल जिला उपाध्यक्ष प्रकाश केशरी जिला संगठन मंत्री राजेश सोनी युवा जिला अध्यक्ष रमेश जायसवाल नगर अध्यक्ष आनन्द जायसवाल जिला उपाध्यक्ष युवा आनन्द गुप्ता किराना अध्यक्ष श्याम लाल केशरी युवा नगर अध्यक्ष संदीप केशरी आई टी सेल अध्यक्ष अजय केशरी नगर महामंत्री राजेश जायसवाल मण्डी अध्यक्ष फल सब्जी श्याम बाबु नगर उपाध्यक्ष मुकेश जायसवाल नगर महामंत्री किराना नन्दलाल कुशवाहा बबलू केशरी इलेक्ट्रॉनिक अध्यक्ष दिनेश गुप्ता अभिषेक केशरी विजय पटेल दीप चन्द जायसवाल विजय गुप्ता आदि व्यापारी गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन से एक राजगीर मिस्त्री की मौत दूसरा गम्भीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जुगल थाना क्षेत्र के भरहरी गांव के समीप सोमवार देर

शाम एक बाइक सवार को अज्ञात वहां से हुई दुर्घटना 37 वषिर्य एक राजगीर मिस्त्री की मौत दूसरा 35 वषिर्य हालत गंभीर वाराणसी रेफर।जानकारी के अनुसार गुरमा चौकी क्षेत्र निवासी दीनबंधु 37 वर्ष पुत्र सुखानंद अवई मारकुंडी व फूल सिंह पटेल 35 वर्ष दोनों एक बाइक से घर से निकले थे एमपी बॉर्डर के समीप एक नए भवन में टाइल्स लगाने हेतु की सोमवार देर शाम जुगल थाना क्षेत्र के भरहरी गांव के समीप अज्ञात बोलेरो की चपेट में आने से दोनों घायल हो गए आसपास के लोगों ने आनंद-खनन में उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया जहां प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सकों ने 37 वर्षीय दिन बंधु को अमृत घोषित कर दिया वहीं दूसरे फूल सिंह पटेल की हालत गंभीर देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया मृतक दिन बंधु के दो लड़का एक लड़की राजगीर मिस्त्री टाइल्स का कार्य कर परिजनों का जीवकोपार्जन करते थे वही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया उधर पुलिस ने बताया कि पीड़िताओं के द्वारा अभी कोई एप्लिकेशन नही मिला है मिलते ही अग्रिम करवाई मे जूटे।

बिना प्राण प्रतिष्ठा मूर्ति स्थापित को लेकर संगठन नाराज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बुधवार को बिजयगढ़ दुर्ग पर स्थित प्राचीन मंदिर मे भगवान हनुमान जी व भगवान गणेश जी सहित अन्य देवी देवताओं की प्रतिमाओ को छतिग्रस्त व नस्ट करने के पश्चात हिन्दू समाज के आक्रोश को देखते हुए बिश्वहिंदू परिषद व बजरंग दल के समस्त पदाधिकारी शांति ब्यवस्था बनाये रखने के लिए आपात कालीन बैठक सम्पन्न की सोमवार को घटना की सुचना प्राप्त होने के पश्चात् विश्वहिंदू परिषद के जिला मंत्री अवधेश चौबे व सह मंत्री अजय गुप्ता आनन फानन मे घटना स्थल पर पहुंचे जहाँ मंदिर मे सभी प्रतिमाए छतिग्रस्त पायी

गयी थी वहा के पुजारियों द्वारा एक बालक को उम्र 15 वर्ष मंदिर मे मूर्ति तोड़ते समय बंद कर दिया गया था। जिससे जिला मंत्री अवधेश चौबे ने पूछ ताछ किया अपने को धर्मात्रित ईसाई बताते हुए बताया की हमको ईसाई प्रचारक द्वारा बताया गया है की हिंदू देवी देवताओं की प्रतिमाओ को तोड़ देना चाहिए इसलिए मै यहां तोड़ दिया। जिससे स्पस्ट होता है की इस घटना के पीछे बिधमिर्यों की बड़ी साजिस थी की हिन्दू समाज को अपमानित कर शांति ब्यवस्था प्रभावित करते हुए पूजा पाठ पर रोक लगायी जाए।

पूर्वांचल मीडिया क्लब द्वारा महर्षि नारद के अवतरण दिवस पर संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रेणुकूट। स्थानीय रेणुकूट के मुर्धवा स्थित अर्चित होटल के सभागार में पूर्वांचल मीडिया क्लब द्वारा महर्षि नारद के अवतरण दिवस पर संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारिता कर सकता है। पत्रकारिता में ईमानदारी का समावेश होना पहली शर्त है। पत्रकारिता मिशन है ना कि पैसा कमाने का जरिया। किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने का मूलमंत्र सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होना है। विशिष्ट दावे के साथ कह सकता हूं कि हमारे जिले में पचास प्रतिशत कथित पत्रकारों को चार लाइन लिखने तक नहीं आता है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए आत्मचिंतन की गहन जरूरत है। हमें लीक वाली पत्रकारिता करनी चाहिए। निर्भीक होकर हमें सच लिखना चाहिए।

पधारे वक्ताओं ने देश में पत्रकारों पर हो रहे फर्जी एफआईआर एवं पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति पर खुलकर अपने अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा महर्षि नारद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेस क्लब आफ इंडिया के संयुक्त सचिव संजय सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि हाल के कुछ वर्षों में व्यापक बदलाव आया है। पहले तथ्य परक खबरें हुआ करती थीं। बिना प्रमाण के अखबार खबर नहीं छापते थे। लेकिन अब पत्रकार जज बन गए हैं। प्रतिशोध की भावना और एक पक्षीय पत्रकारिता का चलन बढ़ा है। आज शिक्षा की कमी भी अपरिपक्व पत्रकारिता को बढ़ावा दे रही है। न्यायाधीश भी कोई निणर्य बिना सबूत के नहीं सुनाते लेकिन आज के पत्रकार को तथ्यों और सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है। हम कहां सही हैं कहां गलत हैं, स्वयं आंकलन करना होगा। तभी संतुलित पत्रकारिता किया जा सकेगा। आज द्वेषपूर्ण पत्रकारिता का चलन बढ़ा है। निजी छवि को खराब करने के लिए कुछ भी लिखने से बचना चाहिए। एक अच्छा पत्रकार बनने के लिए पढ़ना जरूरी है। जितना ज्ञान बढ़ेगा उतनी धारदार और सटीक पत्रकारिता हो सकेगी। आज बड़े-बड़े पत्रकार प्रिंट मीडिया से निकले हैं। जिनके पास ज्ञान है शब्द है उन्हीं की तर्क शक्ति मजबूत होती है वही पत्रकार स्वस्थ अतिथि श्रीमती सरिता सिंह ने प्रशन उठाते हुए कहा कि सारी समस्या हम ही क्यों झेलते हैं? किसी भी आपत्ति में पत्रकार एक दूसरे का साथ क्यो नहीं दे रहा है? मनमुटाव और जलन की भावना को दूर कर हमें एक दूसरे का परस्पर साथ देना चाहिए। राजेश पाठक ने संबोधन में कहा कि आज के परिवेश में पत्रकार को निष्पक्ष सजग और तथ्यपरक पत्रकारिता पर ध्यान देना चाहिए। भीड़ का हिस्सा बनने से बचकर समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना चाहिए। कृष्ण मुरारी शुक्ला ने बताया कि नारद जी के जीवन का अनुसरण करते हुए हम अपने कार्य में सफल हो सकते हैं। मस्तराम मिश्रा ने कहा कि आज पत्रकारों को ही निशाना बनाया जा रहा है। सरकारी मशीनरी सच की आवाज को दबाने के लिए पत्रकारों पर फर्जी एफआईआर दर्ज कर उनका उत्पीड़न करने पर आमादा है। हमारी एकजुटता से ही इस बड़े संकट से बचा जा सकता है। वरिष्ठ पत्रकार दीपक केसरवानी ने समय के साथ चलने की बात करते हुए कहा कि जैसा समय चले, उसी तरह से पत्रकार को भी अपने आप को ढाल लेना चाहिए। क्रांतिकारी पत्रकारिता का दौरा खत्म हो चुका है। अपने आप को सुरक्षित रखते हुए पत्रकारिता करना आज की मांग है। पत्रकार सत्य प्रकाश पाण्डेय ने वर्तमान स्थिति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि फर्जी पत्रकारों पर हो रहे एफआईआर पर चर्चा करने की जरूरत है। कहा कि मैं दीपक सिंह ने कहा कि पत्रकारों की बढ़ती भीड़ भी हमारी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। वकीलों सरकारी कर्मचारियों का संगठन किसी भी मामले में एकजुट हो जाता है लेकिन पत्रकारों के साथ ऐसा नहीं है। जब हम एक रहेंगे तभी चुनौतियों का सामना कर पाएंगे। वरिष्ठ पत्रकार नईम गाज़ीपुरी ने कहा कि अब पत्रकार तो सब बनना चाहते हैं लेकिन इस विधा की बारिकियों को सीखना नहीं चाहते। डरिए मत लड़ते रहिए। एफआईआर की चिंता किए बिना सच लिखिए। आपका यही योगदान याद किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार व अधिवक्ता विवेक पांडेय ने एवं संचालन लल्लन गुप्ता ने की। इस मौके नईम ग़ाज़ीपुरी अखिलेश मिश्रा लल्लन गुप्ता अजय जौहरी जी.के मदान अनिल द्विवेदी एस.पी पांडेय किशन पांडेय दिलीप पांडेय सर्वेश सिंह मणि शंकर सिन्हा प्रमोद ठाकुर आनंद गुप्ता शिव नरेश कृष्ण उपाध्याय अजीत कुशवाहा अमिताभ मिश्रा मस्तराम मिश्रा विक्की यादव रामकुमार गुप्ता अजय गुप्ता जूही खान संजय श्रीवास्तव अशोक सोनी चंद्रजीत सिंह डॉ राजाराम दीपक सिंह मुकेश कुमार लक्ष्मीकांत विश्वकर्मा संदीप शाह मनोज राणा जूही खान रोशन शर्मा गजेन्द्र गुप्ता आर.पी.सिंह अशोक गोयल अशोक कननैजिया पंकज देव पाण्डेय आदि बहुत से पत्रकार रहे उपस्थित।

पुरानी रंजिस में कुल्हाड़ी से वार कर उतारा मौत के घाट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गुरमा/सोनभद्र पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक को चार से पांच की संख्या मे हमलावरो ने लाठी डंडे से हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर लहूलुहान कर दिया, जहा इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। घटना के बाबत बताया जाता है की चोपन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मारकुंडी के मीनाबजार टोले के रहने वाले श्यामजी यादव पुत्र व शिवचन्द्र उम्र लगभग 35 बर्ष किसी कार्य से अपने घर से मीना बजार जा रहे था जैसी ही तकरीबन 500 मीटर दूरी तय किया तो उसी गांव के रहने वाले चार से पांच की संख्या मे सरंहगो ने पुरानी रंजिश को लेकर चलते राह पर घेरकर लाठी डंडे से प्राणघातक हमला कर दिया जिससे युवक गंभीर रूप से जख्मी होकर लहुलुहान होकर जमीन पर गिर गय। चिख पुकार पर आस-पास के लोगो के साथ परिजन भी मौके पर पहुंचे तब तक हमलावर फरार हो चूके थे, तत्काल शयामजी यादव को गंभीर अवस्था मे निजी वाहन जिला चिकित्सालय लोढी मे भर्ती कराया गया जह उपचार के दौरान मौत हो गयी। घटना को लेकर परिजनो काफी आक्रोशित है। मृतक की पतनी राजकुमारी का रो-रोकर बुरा हाल है मृतक के चार पुत्री एक पुत्र है जो सभी छोटे छोटे है पिता का साया उठ जाने से पतनी रो-रोकर कहती है अब हमारे छोटे-छोटे पाँचो संतानो का परवरिश तथा गुजारा कैसे होगा। पांचो संतानो अपने पिता का सर से साया उठ जाने से माँ के साथ चिपक कर रो- रही थी तो कुछ को गोद मे समेटे हुयी थी, यह सीन मौजूद सभी के हृदय को झकझोर रहा था।

तेल भराकर निकल रही ट्रेलर ने बस को मारी टक्कर बाल बाल बचे यात्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चोपन/ सोनभद्र ।मंगलवार की सुबह उस समय अफरा तफरी मच

गई जब एक पेट्रोल पंप से तेल भराकर निकल रही ट्रेलर ने बस में टक्कर मार दी गनीमत रहा कि इस दुर्घटना में बस सवार सभी यात्री बाल बाल बच गयेप्राप्त जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मुख्यमार्ग पर स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप से मंगलवार की सुबह एक ट्रेलर तेल भराकर जैसे ही मुख्य मार्ग पर आया कि तभी विण्मगंज से मिर्जापुर जा रही रोडवेज बस आ गई जब तक रोडवेज चालक कुछ समझ पाता ट्रेलर ने बस को टक्कर मार दी जिसके बाद अफरा तफरी मच गई गनीमत रहा कि इस दुर्घटना में बस सवार सभी यात्री बाल बाल बच गये दुर्घटना के बाद संड़क पर कुछ देर के लिए आवागमन बाधित हो गया गौरतलब है कि रिलायंस पेट्रोल पंप के पास पूर्व में भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी है जिसमें असमय काल के गाल में लोग समा चुके हैं धिरे धिरे यह स्थान दुर्घटना बाहूल्य होता जा रहा है चुंकि जब गाडि़यां चोपन से रावट्सगंज की तरफ जाती हैं तो रिलायंस पेट्रोल पंप के पास घुमाव के साथ साथ ढलान भी जहां वाहन चालकों की गति सीमा ज्यादा रहती है वहीं पेट्रोल पंप से तेल भराकर निकल रहे वाहन बिना सतर्कता के सिधे मुख्य मार्ग पर आते हैं इसिलिये अक्सर एक दूसरे को बचाने के चक्कर में दुर्घटनाएं हो जाती हैं लोगों ने इस समस्या पर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है ताकि इस समस्या का उचित उपाय हो सके जिससे दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण लग सके।

लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मंगलवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) का राबट्र्सगंज लोकसभा के चकिया के परचम को राबट्र्सगंज लोकसभा सीट से लहराना है। सम्मेलन के विशिष्ट अतिथि पार्टी के प्रदेश सचिव अरविंद राज़ स्वरूप जी ने कहा करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रत्याशी बनकर यह चुनाव लड़ना है। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी का लक्ष्य गरीबी,

विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन चकिया तहसील के निकट एक सभागार में सम्पनन हुआ। सम्मेलन को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करते हुए पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रदेश प्रभारी डा गिरीश शर्मा ने कहा कि मोदी की सरकार देश के संविधान, लोकतंत्र तथा संसदीय व्यवस्था के लिए ख़तरनाक है। उन्होंने कहा कि देश को बचाने के लिए भाजपा को पराजित करना आवश्यक है। राष्ट्र को बचाने के लिए, संविधान को बचाने के लिए, लोकतंत्र व धर्मनिरपेक्षता को बचाने के लिए, आजीविका की रक्षा के लिए, बीजेपी और उनके सहयोगियों को हराने के लिए लाल झंडे के सिपाहियों को कमरकस कर इस चुनाव के मैदान में उतर जाना है और भाकपा को वोट कराना है और हंसिया बाली कि मोदी राज में हुएं आंदोलन में वामपंथी दलों का अहम योगदान रहा है। किसान विरोधी कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन,सीएए एन आर सी के विरोध में हुएं आंदोलन को भाकपा ने मजबूती से लड़ा। जिसके कारण मोदी को किसान विरोधी कानूनों को वापस लेने को मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि फांसी वादी और पूंजीवादी व्यवस्था को वामपंथी ही समाप्त कर सकते हैं। राबट्र्सगंज संसदीय क्षेत्र और चकिया वामपंथी आंदोलन का गढ़ रहा है। यहां के आदिवासी और शोषित, पीडि़त लोगों के साथ हमेशा लाल झंडा खड़ा रहा है और उनके सवालों को लेकर निरंतर संघर्ष कर रहा है। राबट्र्सगंज लोकसभा सीट के पार्टी प्रत्याशी कामरेड अशोक कुमार कनौजिया (एडवोकेट)ने सम्मेलन को संबोधित शोषण, गैरबराबरी, अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर समाजवादी व्यवस्था बनाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार को जुल्म और अत्याचार के लिए याद किया जाएगा। कार्यकर्ता सम्मेलन की अध्यक्षता चंदौली के जिला सचिव कामरेड सुखदेव मिश्रा ने और संचालन भाकपा - सोनभद्र के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा जी ने किया।बैठक में प्रमुख रूप से राजेन्द्र सिंह यादव (पूर्व विधायक, गाजीपुर), अमेरिका सिंह यादव, जनार्दन राम, चंदन पासवान, शिव मुरत, बसावन गुप्ता, अमर नाथ बिंद, जगजीवन राम, गगडू मुसक, सननी साहनी, सत्यप्रकाश, लच्छन धारी, अमर नाथ सूर्य, लालता प्रसाद, राम सागर, बुड्डुक यादव, गंगा पांडेय आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नामांकन के प्रथम दिन 13 लोगों ने 23 सेट में नामांकन पत्र प्राप्त लिए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह की मौजूदगी में कलेक्ट्रट सभागार में स्थापित लोकसभा सामान्य निर्वाचन,2024, के लिए लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिए जनवादी पार्टी से बचाऊ बनवासी एक सेट में, राष्ट्रीय समाज दल से प्रभु दयाल एक सेट में, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से भरत लाल एक सेट में, भारतीय

नामांकन कक्ष में 13 लोगों ने 23 नामांकन पत्र प्राप्त किये, इसी प्रकार से विधान सभा दुद्धी उप निर्वाचन के लिए 4 लोगों ने 14 सेट में नामांकन पत्र प्राप्त किये। इस दौरान जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने नामांकन कक्ष में तैनात कार्मिकों को निर्देशित करते हुए कहा कि नामांकन पत्र लेने के लिए लोगों को किसी प्रकार की समस्या न होने पाये, इसका विशेष ध्यान दिया जाये। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) सहदेव कुमार मिश्र व अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कलेक्ट्रेट परिसर में लगे पुलिस कार्मिकों का जायजा लेते रहें और आवश्यक दिशा-निर्देश दियें। इसी प्रकार से नामांकन के प्रथम दिवस में कम्युनिस्ट पार्टी से अशोक कुमार कनौजिया 04 सेट में, निर्दल से रामरूप एक सेट में, राष्ट्रीय समानता दल से अरविंद कुमार भारती 02 सेट में, भागीदारी पार्टी से गुलाबी एक सेट में, निर्दल से नन्दलाल 2 सेट में, समाजवादी पार्टी से जितेंद्र कुमार 04 सेट में, राष्ट्रीय समाज से शिवपूजन 2 सेट में, जनरक्षक पार्टी से सुकालू एक सेट में, इंडियन नेशनल समाज पार्टी से सूरज प्रकाश एक सेट में नामांकन पत्र प्राप्त किया। इसी प्रकार से विधानसभा उप निर्वाचन दुद्धी के लिए भारतीय जनता पार्टी से 04 सेट में, भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी से 4 सेट में, गोड़वाना गणतंत्र पार्टी से 04 सेट में तथा निर्दलीय के रूप में दो सेट में नामांकन पत्र प्राप्त किया गया।

थाना शाहगंज पुलिस व एसओजी सोनभद्र की संयुक्त टीम द्वारा 01 नफर हेरोईन तस्कर को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से 25 ग्राम हेरोइन बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।आगामी लोक सभा चुनाव के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा हेरोईन की बरामदगी कर गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना शाहगंज पर मु0अ0सं0- 38/2024 रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र । 2.मु0अ0सं0-97/2019 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र ।

अवैध मादक पदार्थ/शराब तस्करी करने वाले तस्करों के विरुद्ध अभियान चलाया गया है, इसी के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी घोरावल के पर्यवेक्षण में दिनांक-06.05.2024 को एसओजी व थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रुप से मुखबिर की सूचना पर 01 नफर अभियुक्त राजू कश्यप पुत्र स्व0 सरजू प्रसाद निवासी कस्बा शाहगंज थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 32 वर्ष को 25 ग्राम नाजायज धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को आज दिनांक 07.05.2024 को माननीय न्यायालय रवाना किया गया । **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः–** 01.राजू कश्यप पुत्र स्व0 सरजू प्रसाद निवासी कस्बा शाहगंज थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 32 वर्ष । **अभियुक्त का आपराधिक इतिहास-** 1.मु0अ0सं0-585/2016 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट थाना 3.मु0अ0सं0-36/2019 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र । 4.मु0अ0सं0-16/2023 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र । **बरामदगी/गिरफ्तारी करने वाली टीमः–** 01.प्रभारी निरीक्षक रामस्वरुप वर्मा एसओजी प्रभारी मय टीम जनपद सोनभद्र । 02.उ0नि0 अश्वनी कुमार राय थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र । 03.मु0अ0 चन्द्रजीत यादव थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र ।

अराजक तत्वों ने थोड़ी बजरंगबली की मूर्ति नेताओ में आक्रोशः डॉ धर्मवीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिले के धरोहर विजयगढ़ किले पर स्थित मंदिर में स्थापित भगवान बजरंगबली के मूर्ति खंडित करने मामले में राजनीतिक प्रक्रिया आनी शुरू हो गई वही बता दें कि सोमवार दोपहर कुछ अराजक तत्वों द्वारा मंदिर के प्रतिमा तोड़े गए जिसकी सूचना होते ही जिला प्रशासन के हाथ पांव फूलने लगे वहीं इस मामले को लेकर पूर्व में भी कई प्रशन उठ चुके हैं वही इधर चुनाव का माहौल देखते हुए राजनेताओं में चल गर्मी शुरू हो गई जिला प्रशासन आनंद-खनन में मौके पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल करते हुए संबंधित के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करने में जुट गया उधर बता दें कि सदर सिओ संजीव कटिहार ने बताया कि सोमवार शाम संबंधित पुलिस फोर्स द्वारा मामले से अवगत कराया गया जिस पर तत्काल मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की गई जिसमें जिन लोगों द्वारा मूर्ति खंडित कराया गया उनको चिन्हित कर अग्रिम कार्रवाई। डॉ धर्मवीर तिवारी ने मजिस्टिक जांच कराने की उठाई मांग विजयगढ़ किले परहनुमान जी की मूर्ति को तोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण हैविजयगढ़ किला हम सबके लिए ऐतिहासिक धरोहर है विशाल कावर यात्रा का केंद्र है हिन्दु हनुमान जी की पूजा करने जाते है इस पूरे मामले में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ धर्मवीर तिवारी ने मजिस्ट्रेट जांच की मांग की और विजयगढ़ किले के ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा लगातार जिला प्रशासन कराए बाकी आने वाले समय में ऐसी घटनाएं न हो सके।

हैदराबाद बनाम लखनऊ मैच का लुत्फ उठाने के लिए नहीं करनी होगी जेब ढीली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल 2024 का रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। प्लेऑफ की लड़ाई और भी घातक हो चली है। अंतिम चार का टिकट पाने के लिए बुधवार को राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद की भिड़ंत लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ होगी। हैदराबाद और लखनऊ की कहानी इस सीजन लगभग एक जैसी ही रही है। दोनों टीमों ने छह-छह मैचों में जीत का स्वाद चखा है, तो 5 मैचों में हार गले आकर लगी है। आईपीएल 2024 के 57वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद की भिड़ंत लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ होगी। प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए दोनों ही टीमों के लिए इस मैच में जीत बेहद जरूरी है। सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स की भिड़ंत राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर होगी। हैदराबाद के इस मैदान पर बल्लेबाजों का एकतरफा राज रहता है। सनराइजर्स हैदराबाद की भिड़ंत लखनऊ सुपर जायंट्स से आईपीएल 2024 के 57वां मैच 8 मई यानी बुधवार को खेला जाएगा। सनराइजर्स हैदराबाद बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स (ऐंप् ने थ्रउ) के बीच आईपीएल 2024 का 57वां मैच हैदराबाद के राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। सनराइजर्स हैदराबाद बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच आईपीएल 2024 का 54वां मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। आधे घंटे पहले टॉस होगा। सनराइजर्स हैदराबाद बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स का लाइव मैच टीवी पर आप स्टार स्पोट्र्स चैनल पर देख सकते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स के मैच की लाइव स्ट्रीमिंग आप जियो सिनेमा ऐप पर मुफ्त में देख सकते हैं। जागरण डॉट कॉम पर आप मैच से संबंधित महत?वपूर्ण कवरेज हासिल कर सकते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स की भिड़ंत राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर होगी। हैदराबाद के इस मैदान पर बल्लेबाजों का एकतरफा राज रहता है। बल्लेबाजों के लिए मुफीद पिच पर जमकर चौके-छक्कों की बरसात होती है। गेंद बल्ले पर काफी अच्छे से आती है और इस वजह से शॉट मेकिंग काफी आसान रहती है। हालांकि, पिच से स्पिन गेंदबाजों को भी मदद मिलती है। राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम ने आईपीएल में अब तक कुल 75 मैचों की मेजबानी की है। इसमें से 34 में जीत पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को नसीब हुई है। वहीं, 41 मैचों में मैदान रनों का पीछा करने वाली टीम ने मारा है। यानी अगर आंकड़ों की माने तो इस मैदान पर चेज करना ज्यादा आसान रहता है। पहली पारी में एवरेज स्कोर 162 का रहता है। भूलिए मत मुंबई इंडियंस के खिलाफ इसी ग्राउंड पर सनराइजर्स हैदराबाद ने स्कोर बोर्ड पर 3 विकेट खोकर 277 रन लगाए थे।

आईपीएल में ऐसा होता रहता है किस बारे में बोल गए संजू सैमसन, कहा- हमें पता लगाना होगा कहां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में मेजबान ने मेहमान टीम को 20 रन से हराया। मैच अगर की टीम जीत जाती तो उनके नाम के आगे क्वालीफाई लिखा जाता, लेकिन दिल्ली ने ऐसा नहीं होने दिया। मैच के बाद संजू सैमसन ने टीम का हौसला बढ़ाया। भले ही राजस्थान को शुरुआती झटके लगे थे लेकिन जब तक संजू क्रीज में थे उनकी टीम मैच में बनी हुई थी। संजू सैमसन एक विवाद कैच पर आउट करार दिए गए। यहीं से पूरा मैच पलट गया। अण् ने भी कमाल का प्रदर्शन किया। एक समय पर जब मैचं की तरफ झुका हुआ था तो उनके गेंदबाजों ने काफी अच्छी वापसी कराई दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 221 रन बनाए। जैक फ्रेजर मैकगर्क ने 50 और अभिषेक पोरेल ने 65 रन की पारी खेली। अंत में ट्रिस्टन स्टब्स ने 41 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया। राजस्थान की तरफ से कप्तान संजू सैमसन ने 86 रन की पारी 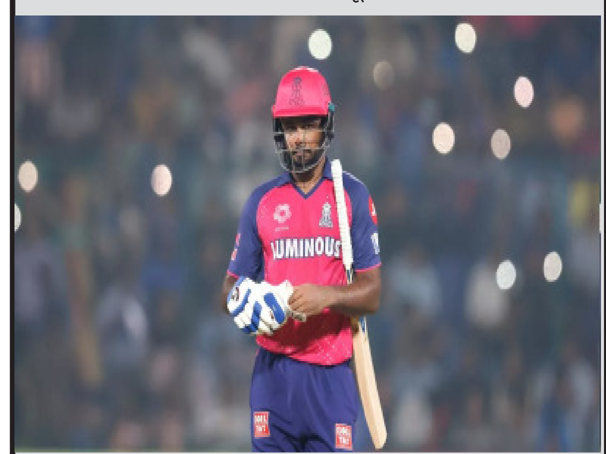

खेली। हालांकि, टीम को जीत नहीं दिला सके। राजस्थान 20 ओवर में 201 रन ही बना सकी। मैच के बाद संजू सैमसन ने कहा, मैच हमारे हाथ में था। हम अच्छी तरीके से चेज कर रहे थे। एक समय पर 10-11 के रन रेट से हमें रन बनाना था और ऐसा लग रहा था कि हम आराम से लक्ष्य का पीछा कर लेंगे, लेकिन ऐसी चीजें छ्य्थ् में होते रहती है। इस मैदान पर इस स्कोर का पीछा किया जा सकता था संजू ने आगे कहा, पहली पारी के दौरान हमने अंतिम के दो ओवरों में थोड़े ज्यादा रन दिए। हमने इस सीजन तीन मैच गंवाए हैं, लेकिन सभी के सभी मैच काफी क्लोज थे। दिल्ली के बल्लेबाजों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया।

गावस्कर और कोहली विवाद में कूदे वसीम अकरम, कहा उसे कमेंटेटर पर सवाल नहीं उठाने चाहिए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और भारत के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर के बीच चल रहे विवाद पर पाकिस्तान के

पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। आईपीएल के वर्तमान सीजन में कोहली शानदार फार्म में हैं। वह 11 पारियों में 148.08 के स्ट्राइक रेट से 542 रन बनाकर शीर्ष पर हैं, लेकिन उनके स्ट्राइक रेट को लेकर तरह-तरह के बयान लगातार सामने आ रहे हैं। विराट कोहली ने कहा था कि बाहर उन्हें कौन क्या कहता है इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। हालांकि विराट ने किसी का नाम नहीं लिया था। इस पर लाइव कमेंट्री के दौरान भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने सवाल उठाए थे और कहा था कि अगर उन्हें फर्क नहीं पड़ता तो वह इसका जवाब क्यों दे रहे हैं इसके जवाब में विराट कोहली ने कहा था कि बाहर उन्हें कौन क्या कहता है, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। हालांकि, विराट ने किसी का नाम नहीं लिया था। इस पर लाइव कमेंट्री के दौरान भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने सवाल उठाए थे और कहा था कि अगर उन्हें फर्क नहीं पड़ता तो वह इसका जवाब क्यों दे रहे हैं। अब इस पूरे विवाद पर अकरम ने कहा, दोनों ही महान खिलाड़ी हैं। सनी भाई को एक क्रिकेटर और इंसान के तौर पर मैं मैदान के अंदर और मैदान के बाहर दोनों अच्छी तरह से जानता हूं। एक कमेंटेटर के तौर पर वह काफी समय से काम कर रहे हैं। अब विराट की बात करूं, तो वह शीर्ष के खिलाड़ी हैं और मौजूदा समय के महान क्रिकेटरों में से एक हैं। इतना ही उन्हें आल टाइम महान क्रिकेटरों की सूची में भी शामिल किया जाता है, लेकिन कोहली को ऐसा नहीं कहना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा, यह कमेंटेटर का काम होता है। अगर कोई धीमी पारी खेलेगा तो वह इस बात को कहेगा। लेकिन इस बात को छोड.िए। कोहली इस तरह के खिलाड़ी नहीं है। दोनों ही महान खिलाड़ी हैं और दोनों ही इस बात से जल्दी ही आगे बढ़ जाएंगे। मुझे नहीं लगता है कि दोनों में से कोई भी इस बात को निजी तौर पर लेगा। वे ठीक हो जाएंगे। मैं दोनों को अच्छी तरह से जानता हूं।

ब्रायन लारा ने दिया टीम इंडिया को खास सुझावा, कहा विराट वर्ल्ड कप में चार नंबर तो सूर्या करें तीन पर बल्लेबाजी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर ब्रायन लारा वर्ल्ड के सबसे महान बल्लेबाजों की सूची में शामिल हैं। लारा ने दो सालों के बाद आईपीएल के वर्तमान सीजन में स्टार स्पो?ट्र्स में कमेंटेटर के तौर पर वापसी की है। आईपीएल में पिछले साल शुरू हुए विवादित 'इंपैक्ट प्लेयर' नियम को लेकर उनका मानना है कि टीमों को एक के स्थान पर दो 'इंपैक्ट प्लेयर' उतारने का प्रविधान होना चाहिए। वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर ब्रायन लारा वर्ल्ड के सबसे महान बल्लेबाजों की सूची में शामिल हैं। लारा ने दो सालों के बाद आईपीएल के वर्तमान सीजन में स्टार स्पो?ट्र्स में कमेंटेटर के तौर पर वापसी की है। आईपीएल में पिछले साल शुरू हुए विवादित इंपैक्ट प्लेयर नियम को लेकर उनका मानना है कि टीमों को एक के स्थान पर दो इंपैक्ट प्लेयर उतारने का प्रविधान होना चाहिए।उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लागू करने की वकालत की है। साथ ही उन्होंने आगामी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर भारतीय बल्लेबाजी क्रम में विराट कोहली को नंबर चार और सूर्यकुमार यादव को नंबर तीन पर उतारने की बात कही। आईपीएल के वर्तमान सत्र, खिलाड.ियों की फार्म और कमेंट्री में वापसी को लेकर अभिषेक त्रिपाठी ने ब्रायन लारा से विशेष बातचीत की, पेश हैं मुख्य अंश - मैंने बेसबॉल बहुत देखा है। मेरे पूरे जीवन में जितना बेसबॉल मैंने देखा है उसके हिसाब से मैं बता सकता हूं कि कहीं से भी यहां हुआ कोई भी मैच बेसबॉल के आसपास भी नहीं है। मैं बेसबॉल के होम रन को बहुत याद करता हूं। मुझे नहीं पता कि क्यों इसकी तुलना बेसबॉल से की जा रही है। मेरी प्रबल इच्छा है कि मैं कुछ

अमेरिकी लोगों को बैठाऊं और टी-20 मैच देखना सिखाऊं ताकि वह भी इसका आनंद ले सकें। मुझे नहीं लगता है कि क्रिकेट बेसबॉल का नया वर्जन बन रहा है। मुझे लगता है कि क्रिकेट बहुत रोचक हो रहा है। मुझे आशा है कि क्रिकेट को लोग और समझें। बहुत सारे लोग 260 और 270 रन बन रहे हैं तो उसका आनंद ले रहे हैं। बल्लेबाजों का हावी होना उन्हें अच्छा लगता है, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच एक कड़ी प्रतिस्पर्धा की इससे कोई तुलना ही नहीं है। जब आप देखते हैं कि एक अच्छा बल्लेबाज, एक अच्छे गेंदबाज का सामना करता है और कोई एक उसमें हावी होता है। खेल में प्रतिस्पर्धा हमेशा होनी ही चाहिए। मैं आशा करता हूं कि आगे हमें यह देखने को मिलेगा क्योंकि 260 या 270 रन बहुत अधिक होते हैं। कभी-कभी साधारण गेंदबाजी के कारण भी इतने रन बनते हैं। इसे समझा जा सकता है, परंतु खेल में प्रतिस्पर्धा होनी ही चाहिए। -मैंने कई बार इसके बारे में बात की है। मेरी राय इसको लेकर थोड़ी अलग है। मेरे अनुसार एक के स्थान पर दो 'इंपैक्ट प्लेयर' लेने का नियम होना चाहिए। मुझे लगता है कि आजकल बहुत सारी टीमें जब दबाव में आती हैं और बल्लेबाज को उतारती हैं और अगर वह बिना कोई प्रभाव डाले आउट हो जाता है तो टीम गेंदबाज का प्रयोग नहीं कर पाती है। मैंने यह समस्या ब्रेविस के साथ देखी है। आजकल कई मैचों में भी मैंने ऐसा होते देखा है कि बल्लेबाज इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आया और वह कोई विशेष योगदान नहीं दे सका। क्रिकेट में 'इंपैक्ट प्लेयर' की तरह फुटबॉल में 'सब्सटीट्यूट' आता है जो 78वें मिनट में आता है। वह पूरा तरोताजा होता है और खेल में नई ऊर्जा का संचार कर देता है तो क्यों नहीं इस नियम को पूरा अच्छे से लागू करें। ताकि वह जब चाहें इसका प्रयोग कर सकें। अगर उन्हें बल्लेबाज के स्थान पर दो गेंदबाज चाहिए तो उन्हें गेंदबाज मिले। अगर आपके पास दो 'इंपैक्ट प्लेयर' होंगे तो अगर आप बल्लेबाजी में संघर्ष कर रहे हैं तो आप दो बल्लेबाजों का प्रयोग कर सकते हैं। अगर आपके पास दो इंपैक्ट प्लेयर होंगे और आपको बल्लेबाजी में संघर्ष नहीं करनी पड़ी है तो आप अपनी गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने में इसका प्रयोग कर सकेंगे। मुझे यह नियम बहुत पसंद है, हालांकि कई लोगों को यह नियम पसंद नहीं है। मुझे लगता है कि यह खेल में एक नया आयाम लेकर आता है। -हां, क्यों नहीं। मुझे लगता है कि यह कई खिलाड.ियों को खेलने का अवसर प्रदान करता है। आप क्रिकेट में कई खिलाड.ियों को खेलते देखना चाहते हो यही कारण है कि मुझे यह लगता है कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लागू करना चाहिए। इसमें एक बुराई यही है कि कभी-कभी यह आलराउंडर को सीधे रूप से प्रभावित करती है। जैसे कि शिवम दुबे जो शायद ही अब गेंदबाजी करते हैं एक साधारण मैच में आप उनसे गेंदबाजी कराएंगे। वहां आप केवल 11 खिलाड़ी ही खिला सकते हो इसलिए आपको उनसे गेंदबाजी करानी ही होगी। इस नियम ने उनके लिए अवश्य परेशानी बढ़ा दी है,।

संजू सैमसन के साथ हुई बेईमानी कैच को लेकर खड़ा हुआ नया विवाद; एक फैसले ने राजस्थान के हाथ से छीन ली जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के 56वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान

रॉयल्स को 20 रन से हराया। दिल्ली से मिले 222 रन के जवाब में राजस्थान की टीम 8 विकेट खोकर 201 रन ही बना सकी। संजू सैमसन ने 86 रन की धांसू पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही रजवाड़ों के हाथ से जीत फिसल गई। हालांकि, संजू के विकेट को लेकर जमकर बवाल हुआ। अंपायर के फैसले से राजस्थान के कप्तान नाखुश दिखाई दिए और उन्होंने बीच मैदान पर अपनी नाराजगी भी जाहिर की। संजू सैमसन 45 गेंदों पर 86 रन बना चुके थे और शतक की तरफ तेजी से बढ़ रहे थे। हालांकि पारी के 16वें ओवर की चौथी गेंद पर संजू ने सामने की तरफ शॉट खेला और गेंद बाउंड्री लाइन पर खड़े शाई होप के हाथों में चली गई। हालांकि कैच लपकते हुए होप अपने बैलेंस को पूरी तरह से संभाल नहीं सके। दरअसल, संजू सैमसन 45 गेंदों पर 86 रन बना चुके थे और शतक की तरफ तेजी से बढ़ रहे थे। संजू जब तक क्रीज पर खड़े थे, तो लगा रहा था कि राजस्थान इस मुकाबले को आसानी से अपने नाम कर लेगी। हालांकि, पारी के 16वें ओवर की चौथी गेंद पर संजू ने सामने की तरफ शॉट खेला और गेंद बाउंड्री लाइन पर खड़े शाई होप के हाथों में चली गई। हालांकि, कैच लपकते हुए होप अपने बैलेंस को पूरी तरह से संभाल नहीं सके और रिप्ले में देखकर लगा कि उनका पैर बाउंड्री लाइन को टच किया ऑन फील्ड अंपायर ने थर्ड अंपायर की मदद ली, लेकिन थर्ड अंपायर ने कैच पर ज्यादा गौर किए बिना ही अपना फैसला सुना दिया। दरअसल, अंपायर ने सभी एंगल से कैच को देखना जरूरी नहीं समझा। इसके साथ ही थर्ड अंपायर ने रिप्ले में होप के पैर को नजदीक से देखने का कष्ट भी नहीं उठाया। संजू अंपायर के फैसले से काफी नाखुश दिखाई दिए और उन्होंने अपनी नाराजगी भी जाहिर की। राजस्थान के कप्तान ने डीआरएस लेने के लिए भी इशारा किया, पर अंपायर ने उनको टाइम खत्म होने का इशारा कर दिया। संजू सैमसन को आउट दिए जाने के बाद मैच पूरी तरह से पलट गया। राजस्थान रॉयल्स ने अपने कप्तान का विकेट 162 के स्कोर पर गंवाया। इसके बाद टीम के रन की रफ्तार भी धीमी पड़ गई और टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 201 रन ही बना सकी।

जैक फ्रेजर मेकगर्क ने आवेश खान को धो डाला, एक ओवर में कूटे 28 रन; ठोका तूफानी अर्धशतक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में जैक फ्रेजर मेकगर्क नाम का तूफान आया है। फ्रेजर ने

विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान के बॉलिंग अटैक से जमकर खिलवाड़ किया। दिल्ली के ओपनर ने सिर्फ 19 गेंदों में अपना अर्धशतक ठोका। फ्रेजर ने आवेश खान को खासतौर पर निशाने पर लिया और एक ही ओवर में 28 रन कूट डाले। आईपीएल 2024 के 56वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत राजस्थान रॉयल्स के साथ हो रही है। जैक फ्रेजर मेकगर्क ने दिल्ली को तूफानी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए अभिषेक पोरेल के साथ मिलकर 60 रन बटोरे। फ्रेजर ने विस्फोटक अंदाज में खेलते हुए महज 19 गेंदों पर अर्धशतक जमाया। फ्रेजर ने आवेश खान को खासतौर पर निशाने पर लिया। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को जैक फ्रेजर मेकगर्क ने तूफानी शुरुआत दी। फ्रेजर शुरुआत से ही लय में दिखाई दिए और उन्होंने पावरप्ले का भरपूर फायदा उठाया। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज ने पहले विकेट के लिए अभिषेक पोरेल के साथ मिलकर महज 4.2 ओवर में 60 रन ठोके। जैक फ्रेजर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए महज 19 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। फ्रेजर ने आउट होने से पहले जमकर तबाही मचाई और 20 गेंदों पर 50 रन कूटे। इस पारी के दौरान फ्रेजर ने 250 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के जमाए।

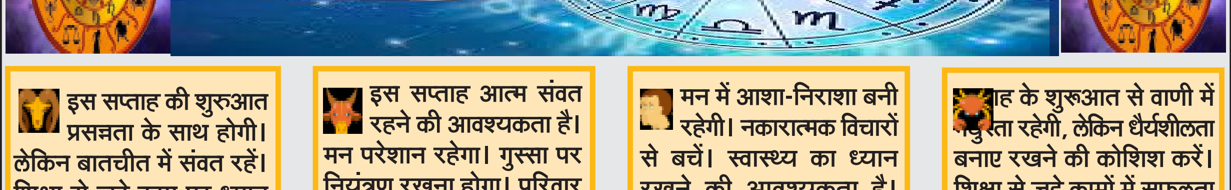

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

ाह के शुरुआत से वाणी में ुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

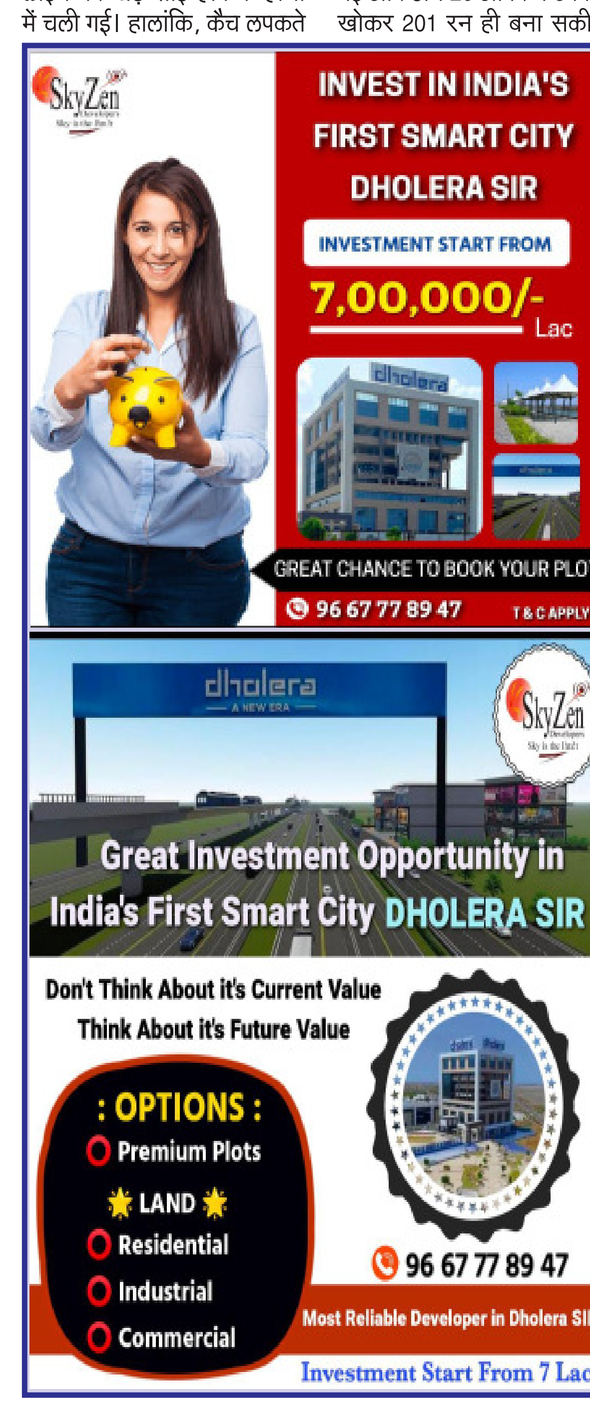

सम्पादकीय

स्कूल में हल्के शारीरिक दंड से बच्चा सुधरता है तो हर्ज क्या है

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने हाल में नेपाल की राजधानी काठमांडू के एक कार्यक्रम में अपने बचपन का एक किस्सा सुनाया, जिसमें उन्होंने बताया कि जब वो पांचवीं कक्षा में थे तो एक गलती के लिए उन्हें उनकी टीचर ने बेंत से पीटा था। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने हाल में नेपाल की राजधानी काठमांडू के एक कार्यक्रम में अपने बचपन का एक किस्सा सुनाया, जिसमें उन्होंने बताया कि जब वो पांचवीं कक्षा में थे तो एक गलती के लिए उन्हें उनकी टीचर ने बेंत से पीटा था। वो कमर पर बेंत की पिटाई चाहते थे, लेकिन टीचर ने उन्हें हाथ पर ही बेंत मारे थे, जिसके निशान पड़ गए थे। यह बात उन्होंने माता-पिता से 10 दिनों तक छुपाए रखी थी। यदि यह आज यह घटना होती तो बेंत मारने वाला टीचर जेल भी जा सकता था। सरकार ने बच्चों की स्कूल में पिटाई को लेकर बाकायदा कानून बनाया है, लेकिन एक बहस लंबे समय से चली आ रही है कि शिक्षक बच्चों को शारीरिक दंड दे सकता है या नहीं। यदि हल्के शारीरिक दंड से बच्चा सुधरता है तो उसमें हर्ज किया है? हम अनेकोनेक किस्से अपने बड़े-बुजुर्गों से सुनते आए हैं कि किस तरह उनके शिक्षक अपने विद्यार्थियों को पीटते थे। बड़ी तादाद में विद्यार्थी उस पिटाई से सुधर गए और जीवन में स्कूल व शिक्षक का नाम रोशन किया। वहीं, एक पक्ष ऐसा भी है, जो कहता है कि शिक्षक की पिटाई से बच्चों पर एक मनोवैज्ञानिक असर आता है और उसके दूरगामी पर दुष्परिणाम होते हैं।दरअसल, ऐसी अनेक खबरें संचार माध्यमों में देखने को मिल जाती हैं कि शिक्षक की पिटाई से बच्चे का हाथ टूट गया, कान का पर्दा फट गया या बच्चे की मौत तक हो गई।बात यह है कि आखिर बच्चों की पिटाई की सीमा क्या होनी चाहिए? क्योंकि पिछले साल ऐसे ही एक केस में बॉम्बे हाईकोर्ट में कहा था कि टीचर द्वारा स्कूल में बच्चों को सही करना अपराध नहीं हो सकता, अगर उसका इरादा दुर्भावनापूर्ण नहीं हो।सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के किस्से से एक बार फिर शिक्षकों द्वारा बच्चों की पिटाई का विषय चर्चा में आ गया है। सवाल यह है कि बच्चों को सुधारने के लिए यदि हल्का शारीरिक दंड दिया जाए तो क्या वो भी गंभीर अपराध की श्रेणी में आएगा, क्योंकि कई उदाहरण ऐसे भी आते हैं कि अभिभावक स्वयं चाहते हैं कि उनका बच्चा गलतियां न करे और शिक्षक उसे मारपीट कर सही रास्ते पर ले आएं। हालांकि, बड़ी संख्या ऐसे अभिभावकों की भी है, जिन्हें शिक्षक द्वारा बच्चे को हाथ लगाना तक स्वीकार नहीं होता। इस विषय की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने किशोर न्याय अधिनियम 2015 यानी जुवेनाइल जस्टिस एक्ट लागू किया। देश में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गाइडलाइंस बनाई, जिसमें स्कूल में पिटाई को लेकर प्रावधान हैं। शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 17 में कहा गया है कि स्कूल में किसी भी तरह के शारीरिक दंड, मानसिक प्रताड़ना और भेदभाव पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 की धारा 75 में कहा गया है कि बच्चे की देखभाल और उनकी सुरक्षा स्कूल की जिम्मेदारी होगी। जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 की धारा 82 के अनुसार इसके तहत जेल और जुर्माने का प्रावधान है। ऐसे भी कई मामले आते हैं कि बच्चों के माता-पिता की शिकायत को स्कूल प्रबंधन नहीं मानते हैं। ऐसे में माता-पिता को अधिकार होता है कि वो नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एनसीपीसीआर) में जाकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।एनसीपीसीआर के अनुसार स्कूल में जिन लोगों को नौकरी पर रखा जाता है, उनका पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य हो। स्टाफ से एफिडेविट लेना जरूरी है कि वो पहले जुवेनाइल जस्टिस एक्ट और पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी नहीं होने चाहिए। सीबीएसई की गाइडलाइंस के तहत अगर स्कूल किसी भी नियम का उल्लंघन करता है तो उसकी मान्यता रद्द की जा सकती है। शारीरिक दंड देने पर शिक्षा को 10,000 रुपए का जुर्माना हो सकता है। यही अपराध दोहराने पर तीन माह की जेल का प्रावधान है। शिक्षक को सस्पेंड किया जा सकता है। जांच में सहयोग नहीं करने पर शिक्षक को 3 महीने की जगह सजा का प्रावधान है। स्कूल पर एक लाख का जुर्माना लगाया जा सकता है।सवाल यह है कि बच्चों को यदि छोटा-मोटा शारीरिक दंड देकर सुधरा जा सकता है तो हर्ज किया है। काठमांडू के कार्यक्रम में सीजेआई डी.वाई चंद्रचूड़ ने कहा भी कि बच्चों के साथ किए गए बर्ताव का असर जिंदगी भर उसके दिमाग पर रहता है। यह बात बिल्कुल सही है।

दहकते जंगल उगल रहे हैं ब्लैक कार्बन, संकट में पर्यावरण

सबसे बड़ी चिन्ता का विषय तो यह है कि हिमालय की गोद में बसा उत्तराखण्ड इस दावानल से सर्वाधिक प्रभावित है जिसका सीधा असर उस हिमालय पर पड़ रहा है जिसे एशिया की जलवायु का नियंत्रक और महाद्वीप का जलस्तंभ या वाटर टावर कहा जाता है। इस समय आग जंगलों को निगल रही है और जंगल ब्लैक कार्बन उगल रहे हैं। ग्रीष्म ऋतु के अपने चरम की ओर तेजी से बढ़ते जाने के साथ ही जंगलों में भड़की आग भी अपना विकराल रूप लेती जा रही है। हालात यह हैं कि जंगल की आग से उत्पन्न धुएं के घटाटोप में पहाड़ भी डूबते नजर आ रहे हैं, जिस कारण लोगों को श्वांस जैसी कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं सबसे बड़ी चिन्ता का विषय तो यह है कि हिमालय की गोद में बसा उत्तराखण्ड इस दावानल से सर्वाधिक प्रभावित है जिसका सीधा असर उस हिमालय पर पड़ रहा है जिसे एशिया की जलवायु का नियंत्रक और महाद्वीप का जलस्तंभ या वाटर टावर कहा जाता है। इस समय आग जंगलों को निगल रही है और जंगल ब्लैक कार्बन उगल रहे हैं। अगर आप भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के वनाग्नि पोर्टल का अवलाकन करें तो उसमें पिछले 7 दिनों के दौरान उत्तराखण्ड का वनाग्नि के सर्वाधिक लगभग 4500 अलर्ट उत्तराखण्ड को भेजे गए हैं। इस अवधि में सर्वाधिक 350 वनाग्नि की बड़ी या गंभीर घटनाएं उत्तराखण्ड में दर्ज हुई है और उसके बाद बाद उड़ीसा और फिर छत्तीसगढ़ में दर्ज हुई है, उसमें 5 मई को प्रदर्शित देशभर में भड़की कुल बड़ी वनाग्नियों में से अकेले उत्तराखण्ड के जंगलों की 110 घटनाएं दर्शायी गई थी। इधर, 8 मई 2024 को प्रातः 10 बजे तक देश में वनाग्नि की 22 बड़ी घटनाएं दर्ज हुईं जिनमें सर्वाधिक 15 भीषण वनाग्नियां उत्तराखण्ड की थीं, जबकि डैशबोर्ड पड़ोसी हिमाचल में केवल 2 घटनाएं दिखा रहा था। इस वनाग्नि आपदा में वन सम्पदा के स्वाहा होने के साथ ही वन्यजीवन तो तबाह हो ही रहा है। लेकिन इससे वे अदृश्य संकट भी प्रकट होने लगे हैं जिनमें सांस लेने में परेशानी भी शामिल है। इन अदृश्य संकटों में जलवायु परिवर्तन भी है।यह वैज्ञानिक सत्य है कि जंगल की आग ब्लैक कार्बन के उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देती है। जब जंगल जलते हैं तो वे बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और ब्लैक कार्बन सहित अन्य प्रदूषक भी उत्सर्जित करते हैं। जंगल की आग से उत्पन्न ब्लैक कार्बन की मात्रा वनस्पति जलने के प्रकार, आग की तीव्रता और मौसम की स्थिति जैसे कारकों के आधार पर भिन्न हो सकती है और उन क्षेत्रों में जहां जंगल की आग अक्सर या तीव्र होती है वहां ब्लैक कार्बन उत्सर्जन अधिक होता है। चूंकि हरी वनस्पति ज्यादा कार्बन धारण करती है इसलिए जब वह जलती है तो उस कार्बन को वातावरण में उत्सर्जित कर देती है। इन उत्सर्जनों का वायु गुणवत्ता और जलवायु पर स्थानीय और वैश्विक दोनों प्रभाव पड़ते हैं। यह अधजला कार्बन ही ब्लैक कार्बन होता है। ब्लैक कार्बन मुख्य रूप से कार्बन-आधारित ईंधन और बायोमास के अधूरे दहन से उत्पन्न होता है। वाडिया इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष 2016 में गंगोत्री ग्लेशियर के पास चीड़बासा स्टेशन में किए गए एक अध्ययन में इस क्षेत्र में वानाग्नि के कारण ब्लैक कार्बन (बीसी) की अधिकता की पुष्टि की गई है। ब्लैक कार्बन उत्सर्जन वृद्धि में डीजल और पेट्रोल चालित वाहनों का भी काफी योगदान माना गया है। विशेष रूप से पुराने डीजल इंजन, ब्लैक कार्बन उत्सर्जन के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इसमें ट्रक, बस, कार और ट्रेन शामिल हैं। वाडिया इंस्टीट्यूट के डॉ.पी.एस. नेगी के नेतृत्व में किए गए इस अनुसंधान को वैज्ञानिक पत्रिका एटमॉस्फेरिक एनवायरनमेंट में प्रकाशित किया गया था। चूंकि अब गमिर्यों में उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा के साथ ही हिमालयी धर्मस्थलों पर भीड़ भी बढ़ने वाली है। पिछले साल अकेले उत्तराखण्ड के चार धामों में लगभग 6 लाख वाहन पहुंचे थे। लॉरेंस बर्कले नेशनल लेबोरेटरी के वैज्ञानिक सुरबी मेनन और उनके सहयोगियों ने पाया कि ग्लेशियरों पर बर्फ और बर्फ के आवरण में गिरावट के लिए भारत से वायुजनित ब्लैक कार्बन एरोसोल एक प्रमुख योगदानकर्ता है। बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन और बायोमास को जलाने के परिणामस्वरूप उत्सर्जित होने वाले ब्लैक कार्बन का वास्तविक योगदान 30 प्रतिशत से भी अधिक माना जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जंगलों की यह आग वातावरण में पर्याप्त मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों और सूक्ष्म कणों का उत्सर्जन कर रही है। वनाग्नि के कारण ब्लैक कार्बन जैसे तत्व झाड़ियों, घास के मैदानों और जंगलों से उत्सर्जित हो कर वातावरण में फैल जाते हैं। जैसे ही वनस्पति जलती है, उनके भीतर जमा कार्बन उत्सर्जित हो जाता है। यही मुख्य कारण है कि बड़े पैमाने पर जंगल की आग वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) छोड़ती है और इसलिए, जलवायु परिवर्तन की दर को काफी हद तक बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है। ब्लैक कार्बन एक जलवायु को सीधे प्रभावित करता है। यह सूर्य के प्रकाश को अवशोषित कर वातावरण को गर्म करता है, जिसका ग्लोबल वार्मिंग में सीधा योगदान होता है। इसके अतिरिक्त, जब ब्लैक कार्बन बर्फ पर जम जाता है तो यह उनकी अल्बेडो (परावर्तनशीलता) को कम कर देता है, जिससे वे अधिक सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करते हैं और तेजी से पिघल जाते हैं, जो समुद्र के स्तर में वृद्धि और अन्य जलवायु प्रभावों में योगदान कर सकता है। हिमालय पर इस भीषण वनाग्नि कांड से बड़े पैमाने पर ब्लैक कार्बन और अन्य गैसें उत्सर्जित हो रही हैं जिससे एरासोल का सन्तुलन भी गड़बड़ा रहा है, जिसका सीधा असर लोकल और ग्लोबल वार्मिंग के साथ ही हिमालयी ग्लेशियरों पर पड़ रहा है जो कि तेजी से पीछे खिसक रहे हैं। ग्लेशियरों पर ब्लैक कार्बन जमने की वजह से बर्फ की सौर किरणों को परावर्तित करने की क्षमता कम हो रही है और ग्लेशियरों की सतह पर जमे ब्लैक कार्बन सौर विकिरण को अवशोषित करते हैं, जिसकी वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघलते हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार गमिर्यों के दौरान इस क्षेत्र में ब्लैक कार्बन की मात्रा 400 गुना बढ़ जाती है। अध्ययन में बताया गया है कि ब्लैक कार्बन की मात्रा में इस मौसमी वृद्धि के पीछे का कारण जंगल की आग और कृषि अवशेष जलाना है। इस ब्लैक कार्बन की प्रकाश-अवशोषित प्रकृति के कारण मौसम चक्र प्रभावित हो रहा है। ब्लैक कार्बन मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए खतरनाक हो सकता है। ब्लैक कार्बन कणों के सांस लेने से श्वसन और हृदय संबंधी समस्याएं होती हैं। ये कण इतने छोटे होते हैं कि फेफड़ों में गहराई तक प्रवेश कर जाते हैं और यहां तक कि रक्तप्रवाह में भी प्रवेश कर जाते हैं, जिससे सूजन होती है और अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और हृदय रोग जैसी स्थितियां बिगड़ जाती हैं।

सई परांजपे– प्रमुख महिला स्क्रिप्ट राइटर

स्क्रिप्ट राइटर, निर्देशक, अभिनेता सई परांजपे के भीतर रूस और भारत का साझा रक्त है। उनका जन्म 19 मार्च 1938 को हुआ था। उनके पिता रूसी थे और मां महाराष्ट्र से ताल्लुक रखती थीं। फिल्म 'चश्मे बद्दूर' (1981) का लेखन तथा निर्देशन सई परांजपे ने किया था। नए सिने-दर्शक/सिने-प्रेमी भले ही सई परांजपे के नाम से परिचित न हों, मगर वे सिने-संसार में एक बड़ा नाम हैं। आपने 'स्पर्श', 'चश्मे बद्दूर', 'कथा' जैसी फिल्में अवश्य देखी होंगी, कम-से-कम इनके नाम अवश्य सुने होंगे। सिने-संसार सई परांजपे को सफल सिने-निर्देशक के रूप में जानता-पहचानता आया है। एक ओर वे लोकप्रिय सिनेमा का हिस्सा रही हैं, इसके साथ समीक्षक भी सदा से उनके प्रशंसक रहे हैं। मगर इसके साथ उन्होंने स्क्रिप्ट राइटिंग भी की है। आज उनके इसी रूप की चर्चा करती हूं। स्क्रिप्ट राइटर, निर्देशक, अभिनेता सई परांजपे के भीतर रूस और भारत का साझा रक्त है। उनका जन्म 19 मार्च 1938 को हुआ था। उनके पिता रूसी थे और मां महाराष्ट्र से ताल्लुक रखती थीं। पिता चित्रकार थे और मां शकुंतला मराठी अभिनेत्री। उनके नाना ऑस्ट्रेलिया में भारत के राजदूत थे और उन्हें सर की उपाधि प्राप्त थी। माता-पिता के विवाह-विच्छेद के बाद वे नाना आर. पी. परांजपे के यहां पली-बढ़ीं। उनकी मां इंग्लैंड में पढ़ी थीं। कई देशों में शिक्षा प्राप्त सई की आठ वर्ष की उम्र में पहली किताब (मराठी भाषा में) प्रकाशित हुई थी और बाद में कॉलेज में उन्हें अभिनय के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से प्रशिक्षण लिया था। फिल्म बनाने के पूर्व वे नाटक तथा प्रोग्राम लिख रही थीं। उन्होंने मंच अभिनेता अरुण जोगलेकर से शादी की, पर शादी चली नहीं। पर दोनों मित्र बने रहे, एक-दूसरे के लिए, एक-दूसरे के साथ काम करते रहे। दोनों के बच्चे कला से जुड़े हैं। उनका बेटा गौतम मराठी सिने-निर्देशक है तथा बेटी विनी जोगलेकर परांजपे अभिनेत्री है।समय-समय पर ऑल इंडिया रेडियो, दूरदर्शन तथा चिल्ड्रेन फिल्म सोसायटी से जुड़ी सई परांजपे ने मराठी, हिन्दी तथा इंग्लिश तीनों भाषाओं में बच्चों एवं वयस्कों के लिए लिखा। उन्होंने 21 फिल्मों का निर्देशन किया और पांच फिल्मों का स्क्रीनप्ले लिखा। उन्हें दो फिल्मफेयर अवॉर्ड ('स्पर्श') तथा एक नेशनल फिल्म अवॉर्ड ('कथा') प्राप्त हुआ।फिल्म 'चश्मे बद्दूर' (1981) का लेखन तथा निर्देशन सई परांजपे ने किया था। दर्शकों ने इस ढ़ाई घंटे की मजेदार कॉमेडी फिल्म का भरपूर आनंद उठाया, आज भी आप इसका मजा ले सकते हैं। इस तीन बेरोजगार मस्त नौजवानों की कहानी में ओमी (राकेश बेदी) और जय (रवि बासवानी) मस्त पर आलसी हैं जबकि तीसरा सिद्धार्थ पराशर पढ़ाकू और शर्मीला है। मजा तब आता है, जब यही चुपचाप रहने वाला नेहा राजन (दीप्ति नवल) का दिल जीत लेता है। इन दोनों की दोस्ती बाकी दोनों की जिंदगी में खलबली पैदा कर देती है। पर अभिनय में इन सबसे बाजी मार ले जाते हैं, पनवाड़ी ललन मियां बने सईद जाफरी। संवाद और मनोरंजक दृश्य सई परांजपे की लेखन की विशेषता है। यहां आप मजे लेकर इसे देख सकते हैं।इस पुरस्कृत फिल्म में नसीर यानी अनिरुद्ध परमार है तो अंधा, परंतु वह इस क्षीणता को खुद पर कभी हावी नहीं होने देना चाहता है। उसका अहं बहुत आहत होता है, यदि कोई उसकी न्यूनता को देखते हुए उसकी सहायत करना चाहता है। वह नेत्रहीन लोगों के एक स्कूल का प्रिंसपल भी है। लेकिन एक दिन उसकी मुलाकात कविता (शबाना आजमी) से होती है, दोनों एक-दूसरे के प्रति आकर्षित होते हैं, मगर यह सरल न था। जब शादी की बात आती है तो अनिरुद्ध के मन में संशय होता है, कहीं कविता उस पर दया और सहानुभूति तो नहीं लादेगी। कहीं उसे सरपरस्ती तो नहीं देने लगेगी, सरपरस्ती जिससे उसे नफरत है। पूरी कहानी की मर्मस्पर्शिता आपको फिल्म देख कर स्वयं अनुभव करनी होगी। सई ने पुरस्कार पाए नसीर तथा शबाना को फिल्मफेयर का सर्वोत्तम अभिनय का नामांकन मिला।1992 में सई परांजपे ने सवा दो घंटे की म्युजिकल ड्रामा कॉमेडी फिल्म 'दिशा' के संवाद और कहानी लिखी और उसे निर्देशित भी किया। यहां भुखरी में परसाराम (ओम पुरी) है, जो बारह साल से एक कुंआ खोदते हुए 'पगला परसा' का खिताब पा गया है। उसकी पतने हंसा (शबाना आजमी) बीड़ी फैक्टरी में काम करती है। उनके चार बच्चे हैं, जिनके नाम सुन कर आप मुस्कुरा उठेंगे। बच्चों के नाम हैं, शर्मीला, जीतेंद्र, अमिताभ तथा कद्दु। परसा का एक भाई है, सोमा सरपत (रघुवीर यादव) जिसे कभीकदा खेतों में काम मिल जाता है। उनका पड़ोसी युवा, हाल में विवाहित वसंत (नाना पाटेकर) है। वसंत की पतने फूलवती (राजश्री सावंत) और बीमार पिता दशरथ (नीलू फुले) है। बेटे की शादी के लिए पिता ने 10,000 रुपए का कर्ज लिया हुआ है। काम की खोज में पहले सोमा बंबई जाता है फिर आय के लालच में वसंत वहां जाता है।

माओवादियों के अंत की तैयारी, 25 से अधिक मूलभूत सरकारी सुविधाएं; अब दूरी बनाने लगे हैं ग्रामीण

माओवादियों के खिलाफ हाल के दिनों में केंद्र को जो ऐतिहासिक कामयाबी मिली है, वह नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई को मुकाम तक पहुंचाएगी।हाल ही में छत्तीसगढ़ के जंगलों में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में हैरतअंगेज दृश्य सामने आया। कांकेर जिले में जबर्दस्त गोलीबारी में कुल 29 माओवादी मारे गए, जिनमें उनका सबसे बड़ा नेता 25 लाख रुपये का इनामी शंकर राव भी शामिल था। इस मुठभेड़ में माओवादी आधुनिक हथियारों जैसे, असॉल्ट राइफलों तथा ग्रेनेड लॉन्चरों से लैस थे। फिर भी सुरक्षा बलों ने बेहद आक्रामक ढंग से मुकाबला करते हुए उनका खात्मा किया। छत्तीसगढ़, झारखंड के जंगलों के बड़े हिस्से में एक तरह से माओवादियों का राज था और वहां उनसे लड़ना आसान नहीं था। जिन लोगों ने छत्तीसगढ़ के घने और विस्तृत जंगल नहीं देखे हैं, उन्हें यह बताना जरूरी है कि वहां माओवादियों की चप्पे-चप्पे पर नजर रहती है और उनके कैडर हर जगह पहुंचे रहते हैं। उन्हें हथियारों का भी बेहतर प्रशिक्षण दिया जाता है और घात लगाकर हमला करने में उन्हें महारत हासिल है। पिछले कुछ वर्षों से केंद्र सरकार ने माओवादियों पर लगाम कसनी शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने इनसे निपटने के लिए सुरक्षा बलों को न केवल आधुनिकतम हथियार देना शुरू किया है, बल्कि अन्य संसाधन भी। माओवादियों से निपटने में सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि राज्य सरकारें पर्याप्त मदद नहीं करतीं। उन्हें लगता है कि ऐसी मुठभेड़ों से आम जनता भी चपेट में आ जाएगी, जो पूरी तरह से गलत भी नहीं है। लेकिन अब स्थिति बदलने लगी है और नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण पर ध्यान दिया जाने लगा है। इससे सरकार के प्रति जनता में अब कटता का भाव नहीं रहा है। उनकी सहानुभूति अब माओवादियों के साथ न होकर सुरक्षा बलों के साथ है। ताजा मामले में, गृह मंत्रालय ने इन उग्रवादियों की गतिविधियों पर अपने स्रोतों से नजर रखी और जब सूचना बिल्कुल पक्की हो गई, तो राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर बीनागुंडा और आसपास के इलाकों में ऑपरेशन चलाया। दिन में चलाए गए इस ऑपरेशन का लाभ यह हुआ कि सुरक्षा बलों को सभी कुछ साफ दिख रहा था और वे उन पर हावी हो गये। और बड़ी संख्या में माओवादियों को जान से हाथ धोना पड़ा। सुरक्षा बलों की आक्रामकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक चार महीने में लगभग 80 माओवादी मारे गए हैं और 125 से अधिक गिरफ्तार हुए हैं तथा 150 से अधिक ने आत्मसमर्पण किया है। यह केंद्र तथा राज्य सरकार के बीच सामंजस्य से संभव हुआ है। गृह मंत्रालय इस मामले में दृढ़ संकल्पित है कि माओवादियों से सख्ती से निपटना है, लेकिन बातचीत के रास्ते खुले हुए हैं। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 2019 के बाद से 250 से भी ज्यादा सुरक्षा शिविर स्थापित किए गए हैं। इन माओवादियों के कारण राज्य का विकास रुक रहा है और जन जीवन प्रभावित हो रहा है। बस्तर जिले के सीधे-सादे आदिवासियों को डराकर ये माओवादी उनके बच्चों तक को अपने साथ ले जाते हैं और उन्हें कम उम्र से ही हथियारों की ट्रेनिंग देते हैं। साठ के दशक के उत्तरार्ध में बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से नक्सलवाद आंदोलन की शुरुआत हुई, जहां माओवादियों ने भूमिहीन किसानों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर सशस्त्र आंदोलन किया, जिसका वहां की सरकार भी ठीक से जवाब नहीं दे पाई। इसी आंदोलन की तर्ज पर कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिन) ने छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, ओडिशा आदि में हिंसक आंदोलन किया। बंगाल के आंदोलन के विपरीत यहां सिद्धांतों की लड़ाई नहीं थी, बल्कि अपना वर्चस्व स्थापित करने की जिद है। इन माओवादियों के कैडर पैसे की वसूली करते हैं। खनन कार्य में लगी कंपनियों से मोटी रकम वसूली जा रही है। लेकिन अब समय बदलने लगा है और केंद्र सरकार माओवादियों से निपटने के लिए कमर कस चुकी है। छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्र के साथ मिलकर नक्सल प्रभावित जिलों के लिए नई योजनाएं भी बनाई हैं। इसके तहत उन्हें 25 से अधिक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीणों को आवास उपलब्ध कराने की बड़ी योजना पर काम हो रहा है। इस तरह के कल्याणकारी कार्यों से ग्रामीण माओवादियों से दूरी बनाने लगे हैं। हालांकि इस तरह के प्रयासों के कार्यान्वयन में वक्त लगेगा, लेकिन इस दिशा में यह एक बड़ी पहल है।

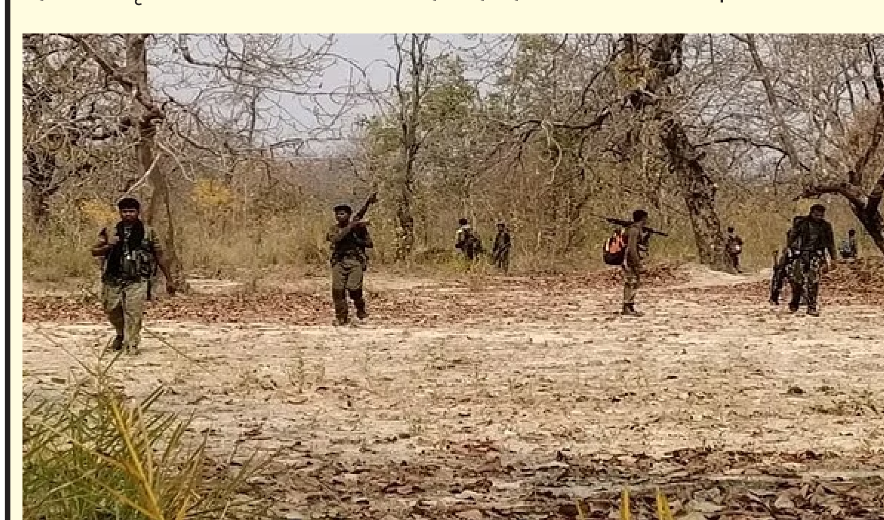

धधक रहे हैं धरती के फेफड़े, हो रहा पर्यावरण का विनाश

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के आंकड़ों के अनुसार देश का 36 प्रतिशत वनक्षेत्र अक्सर वनाग्नि से धधकता रहता है और इसमें से भी 4 प्रतिशत क्षेत्र वनाग्नि की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। जबकि 6 प्रतिशत वनावरण अत्यधिक अग्नि प्रवण पाया गया है। धरती पर जीवन जीने के लिए अति आवश्यक विभाग के डैशबोर्ड पर 24 अप्रैल की प्रातः उत्तर से लेकर दक्षिण तक देश के 13 राज्यों में 62 वन क्षेत्रों में भीषण आग लगी हुई थी, जिनमें हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड में सर्वाधिक 30 स्थानों पर जंगल भयंकर रूप से धू-धू कर जल रहे थे। हिमालय पर लपटें कितनी खतरनाक हैं, उसे बढ़ती दैवी

ऑक्सीजन के उत्पादन में एल्गी या शेवाल के बाद वनों की महती भूमिका को देखते हुए वनों को धरती के फेफड़ों की संज्ञा भी दी जाती है। लेकिन जब फेफड़े ही जल रहे हों तो फिर स्थिति की गंभीरता को आंका जा सकता है। अगर आप भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के वनाग्नि डेशबोर्ड पर 24 अप्रैल की सुबह की ताजा स्थिति पर नजर डालें, तो आपको देशभर में पृथ्वी के दहकते फेफड़ों में मची तबाही का मंजर साफ नजर आएगा। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग उपग्रह से प्राप्त वनाग्नि के दृश्यों के विश्लेशित आकड़ों की पल-पल की जानकारी राज्यों के वन विभागों को देता है, जिससे की वनाग्नि को बुझाने के लिए तत्काल कार्यवाही कर सकें। आपदाओं से साफ महसूस किया जा सकता है। डैशबोर्ड में दूसरे नम्बर पर 8 घटनाओं के साथ आन्ध्र प्रदेश, 6 के साथ बिहार और 3 अग्निकांडों के साथ झारखण्ड को दर्शाया गया था। बाकी राज्यों में एक या दो घटनाऐं दर्शायी गयीं थी। यही नहीं डैशबोर्ड में 17 अप्रैल से 22 अप्रैल तक के सप्ताह में हुए भीषण अग्निकाण्डों में उड़ीसा को पहले और उत्तराखण्ड को दूसरे स्थान पर दर्शाया गया था। उसके बाद वन बाहुल्य छत्तीसगढ़, और झारखण्ड की स्थिति बताई गई है।सरकारी विवरणों को अगर देखें तो वनाग्नि के नुकसान में केवल पेड़ों की गिनती करने के साथ ही आर्थिक नुकसान का आंकलन कर दिया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

कुमारस्वामी ने प्रज्ज्वल के साथ साथ एसआईटी पर भी उठाये सवाल, महिला आयोग के बारे में कही ये बात

'(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बेंगलुरु। जेडी (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने दावा किया है कि उनके भतीजे और लोकसभा चुनाव के उम्मीदवार प्रज्ज्वल रेवनन द्वारा कथित तौर पर महिलाओं के साथ यौन दुर्व्यवहार के वीडियो वाले 25,000 पेन ड्राइव चुनाव से पहले वितरित किए गए थे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार पर साजिश रचने का आरोप लगाया। विधायक एचडी रेवनन और उनके बेटे और हासन से सांसद प्रज्ज्वल

पर अपने रसोइये से छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया गया है। एक अन्य मामले में रेवनन पर एक महिला के अपहरण का मामला दर्ज किया गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है जिसका प्रज्ज्वल ने कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया था। प्रज्ज्वल के खिलाफ भी दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रज्ज्वल के खिलाफ कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए 28 अप्रैल को कांग्रेस सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) पर भी बदनाम करने का आरोप लगाया। जेडी (एस) के दूसरे नंबर के नेता एचडी रेवनन पार्टी सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे हैं। एचडी रेवनन ने कहा, यह एक विशेष जांच दल नहीं है बल्कि ठसिद्धारमैया जांच दलठ और ठशिवकुमार जांच दल है। विधायक एचडी रेवनन और उनके बेटे और हासन से सांसद प्रज्ज्वल पर अपने रसोइये से छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया गया है। एक अन्य मामले में रेवनन पर एक महिला के अपहरण का मामला दर्ज किया गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसका प्रज्ज्वल ने कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया था। प्रज्ज्वल के खिलाफ भी दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने काली मिर्च स्प्रे को बताया 'खतरनाक हथियार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने 'सी कृष्णैया चेट्टी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड' के निदेशक सी. गणेश नारायण और उनकी पतनी के खिलाफ एक आपराधिक मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया है। कंपनी के एक कर्मचारी ने दंपति पर मिर्च स्प्रे का उपयोग करने का आरोप लगाया है। साथ ही अन्य सुरक्षाकर्मियों के साथ याचिकाकर्ताओं की संपत्ति में हस्तक्षेप करने का प्रयास करने का आरोप है कर्नाटक हाईकोर्ट ने सी कृष्णैया चेट्टी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सी. गणेश नारायण और उनकी पतनी के खिलाफ एक आपराधिक मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया है। कंपनी के एक कर्मचारी ने दंपति पर मिर्च स्प्रे का उपयोग करने का आरोप लगाया है। साथ ही अन्य सुरक्षाकर्मियों के साथ याचिकाकर्ताओं की संपत्ति में हस्तक्षेप करने का प्रयास करने का आरोप है। न्यूज पोर्टल के मुताबिक, जस्टिस एम नागाप्रसनन की सिंगल बेंच ने आरोपी दंपति की याचिका खारिज कर दी और कहा,दूसरी याचिकाकर्ता निजी बचाव के रूप में काली मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल नहीं कर सकती थी, क्योंकि प्रथम दृष्टया उसके जीवन को कोई आसनन खतरा या खतरा नहीं था। इसलिए, मौजूदा मामले में कम से कम जांच की आवश्यकता होगी। की रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता राजदीप दास कंपनी का कर्मचारी है। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से दावा किया गया कि 21-01-2023 को विनोद हयाग्रीव नामक व्यक्ति ने प्रथम याचिकाकर्ता के खिलाफ निषेधाज्ञा मुकदमा दायर किया, ताकि याचिकाकर्ता को किसी भी बदलाव, दीवारों, विभाजनों और संपत्ति पर अन्य तरह के निर्माण से रोका जा सके।

आबादियों में तोड़फोड़ की कार्रवाई के विरोध में ग्रेनो प्राधिकरण सीईओ से मिला किसान सभा का प्रतिनिधिमंडल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। ग्रेटर नोएडा, गांव मायचा में प्राधिकरण द्वारा आबादियों को प्राधिकरण के सीईओ द्वारा किसानों को आश्वासन दिया गया कि आगे से इस तरह की कार्रवाई नहीं की

तोड़ने का कल किए गए प्रयास के विरोध में आज अखिल भारतीय किसान सभा गौतम बुध नगर के कार्यकर्ताओं ने ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ से मुलाकात कर प्राधिकरण की कार्रवाई पर सख्त विरोध व्यक्त किया। उक्त पर हुई बातचीत में जाएगी। किसानों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किसान सभा के नेता जय करण बाबूजी, जगबीर नंबरदार, अजी पाल भाटी, गवरी मुखिया, अजब सिंह नेताजी, येतेन्द मैनेजर, मास्टर रणवीर सिंह, विनोद सरपंच, सतीश यादव नेताजी आदि ने किया।

श्रीराम कथा में श्रीराम जानकी विवाह प्रसंग का किया वर्णन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा मंगलवार को सेक्टर 82 स्थित ईडब्लूयूएस पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज ने भगवान राम की बाल लीलाओं , विश्वामित्र यज्ञ रक्षा, अहिल्या उद्धार एवं श्रीराम विवाह आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया। विश्वामित्र जी वन में यज्ञ करते हैं लेकिन राक्षस उनके यज्ञ में बाधा डालकर उसको पूर्ण नहीं होने देते है । विश्वामित्र जी ध्यानस्थ होकर देखते है तो उन्हें पता चलता है कि दशरथ पुत्र राम स्वयं विष्णु अवतार हैं और उनके बिना राक्षसों का संघार नहीं हो सकता है। दशरथ जी से राम ,लक्ष्मण को यज्ञ की रक्षा के लिए मांगते है। भगवान राम रास्ते में तड़का जैसी भयंकर राक्षसी का वध कर देते हैं साथ ही अन्य राक्षसों का वध कर यज्ञ को पूर्ण करवाते हैं। मुनि विश्वामित्र के साथ जाते समय रास्ते में गौतम ऋषि के श्रापवश पाषाण शिला बनी अहिल्या का अपनी चरण रज से उद्धार करते हैं। जनकपुरी पहुंचने पर मुनि समेत दोनों भाइयों का जनक जी द्वारा सत्कार किया जाता है। जनक जी अपनी प्रतिज्ञा से सभी को अवगत कराते हैं कि जो भी शिव धनुष को तोड़ेगा उसी के साथ जानकी का विवाह होगा। देश देशांतर के राजा धनुष नहीं तोड़ पाए । भगवान राम के छूते ही धनुष टूट गया और जानकी जी ने राम जी के गले में वरमाला डाल देती हैं। आरडब्लूयूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 8 मई को राम राज्याभिषेक की तैयारी, राम वनवास, केवट संवाद आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर देवमणि शुक्ल , रवि राघव, गोरे लाल, संजय पांडेय, हरि सिंह, ब्रिजेन्द्र सिंह, संजय शुक्ला, रमेश चंद शर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी, विष्णु शर्मा, रमेश वर्मा, नीरज शर्मा, गौरव, पप्पू सिंह, जितेंद्र सतपति, संजय शुक्ला,उमाकांत त्रिपाठी, हंसमणि शुक्ला, विकास शर्मा, रविंद्र कुमार , देवेंद्र गुप्ता, बहादुर चौहान, उदयराम , रमेश दास, अंगद सिंह तोमर, राजेश गुप्ता , सुशील पाल , सर्वेश तिवारी, सी एल तिवारी, राजवीर सिंह, धर्मेंद्र सिंह,अनूप सिंह, दीपक तिवारी, शिव चौधरी, संगम प्रसाद मिश्र, उत्तम चंद्रा, विकास कुमार, अंजनी कुमार सिंह, राकेश कुमार, विनय त्रिवेदी सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

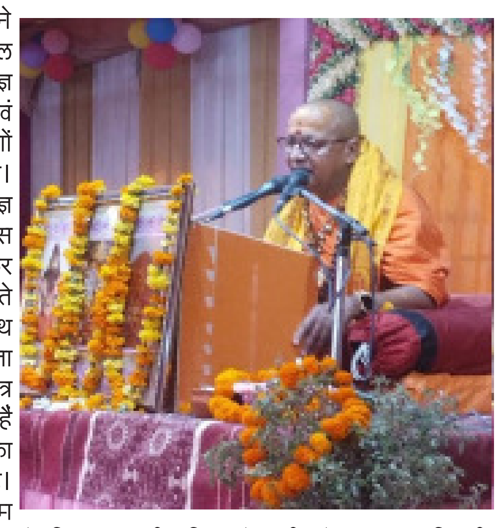

प्रधानमंत्री मोदी के कारण युवा बेरोजगार, अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव', सोनिया गांधी ने लोगों से की कांग्रेस को वोट देने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक वीडियो मैसेज जारी कर देश के लोगों के नाम संदेश दिया है। सोनिया गांधी ने कहा, ठआज देश के हर कोने में युवाओं को बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है, महिलाओं को अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों को भयानक भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। यह माहौल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की मंशा के कारण है।कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने मंगलवार को लोगों से अपील की कि वे झूठ और नफरत के समर्थकों को बर्दाश्त न करें और सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए कांग्रेस पार्टी को वोट दें। सोनिया गांधी की यह अपील लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के दिन आई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के सदस्य संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।उन्होंने आगे कहा, उनका ध्यान केवल किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करने पर है। उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए नफरत को बढ़ावा दिया है। कांग्रेस पार्टी और मैंने हमेशा सभी की प्रगति, वंचितों को न्याय और देश को मजबूत करने के लिए लड़ाई लड़ी है। कांग्रेस और घ्र्ड्ढ गठबंधन संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए समर्पित है। सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए कांग्रेस को वोट दें और साथ मिलकर एक मजबूत भारत का निर्माण करें सोनिया गांधी ने अपने संदेश में कहा कि आज मैं एक बार फिर आपका समर्थन मांगती हूं।

पहले से भी शानदार होगी श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2', 'जना' बनकर अभिषेक बनर्जी फिर बढ़ाएंगे कॉमेडी का डोज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। हर कलाकार अपनी जिंदगी में इमोशनल, कॉमेडी, और रोमांटिक समेत हर तरह की भूमिकाएं निभाना चाहता है। अभिनेता और कास्टिंग निर्देशक अभिषेक बनर्जी ने फिल्म अब्राहम जैसे एक्शन में माहिर अभिनेता के सामने एक्शन करने के लेकर अभिषेक कहते हैं, 'यह मेरे लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था। उनको तो देखते ही लगा कि अगर मुझे उनका एक हाथ लग गया बहुत बड़े स्तर पर शूट किया गया है। जितना मैंने देखा है कि इसका वीएफएक्स (विजुअल इफेक्ट) भी बहुत अच्छा है। फिल्म में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर और पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना बहुत ही

स्त्री में जना की भूमिका में कॉमेडी की फिर वेब सीरीज पाताल लोक में हथौड़ा त्यागी की गंभीर भूमिका में लोकप्रियता बटोरी। अब उनकी नजरें एक्शन फिल्मों पर है। निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म वेदा में वह अभिनेता जॉन अब्राहम के साथ खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। इसमें उन्हें जॉन के सामने एक्शन करने का भी मौका मिला। इस फिल्म में जॉन के साथ अभिनेत्री शरवरी वाघ और तमन्ना भाटिया भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में अभिषेक बताते है, 'इस फिल्म की कहानी राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म के ज्यादातर हिस्से राजस्थान में शूट किए गए हैं। कुछ हिस्सा कश्मीर में भी शूट किया गया है। हालांकि, मुझे सारे सीन पिछले साल राजस्थान की तपती गर्मियों में ही शूट करने पड़े।' फिल्म वेदा में जॉन तो पता नहीं मैं अगले दिन का सूरज देख पाऊंगा या नहीं। हालांकि, उनके साथ काम करने में मजा भी आया। वह इतने वर्षों से एक्शन कर रहे हैं। हर एक्शन सीन बड़ी सहजता से कर देते हैं। उन्हें देखकर बहुत मजा आया।' एक्शन में अपनी ट्रेनिंग को लेकर अभिषेक बताते हैं, 'एक्शन को लेकर मेरी ट्रेनिंग बचपन में ही हो गई थी। ज्यादातर लोगों को नहीं पता है, लेकिन बचपन में मेरे पिताजी ने मुझे जापानी मार्शल आर्ट गोजुरियो की ट्रेनिंग दिलाई थी। वह स्वयं ब्लैक बेल्ट कमांडो थे। उन्होंने मेरे ऊपर भी काफी हाथ चलाए थे। उनकी मार खाते-खाते मैं भी बड़ा सख्त हो गया हूं। मुझे किसी चीज से डर भी नहीं लगता है। इसके अलावा अभिषेक फिल्म स्त्री 2 की शूटिंग भी कर चुके हैं। स्त्री 2 में क्या उनका स्क्रीन टाइम बढ़ाया गया है? इस पर वह कहते हैं, 'स्त्री 2 में सब कुछ बड़ा है। इसे शानदार अनुभव रहा। जना की भूमिका मेरे लिए इतनी सहज हो चुकी है कि मैं कभी भी कैमरे के सामने उसे निभा सकता हूं। मैंने हमेशा यह बात कही है कि जना की भूमिका मेरे बचपन से मिलती-जुलती है। जब मैं छोटा था तो वैसा ही था, मेरे घर का नाम भोला है। मैं डरपोक बंगाली बच्चा था। मम्मी का बहुत ही दुलारा और इकलौता बेटा हूं। इस भूमिका में मुझे कुछ ज्यादा नहीं करना पड़ा, बस बचपन के कुछ कुछ पलों को याद किया और इस भूमिका में डाल दिया। इसका श्रेय निर्देशक अमर कौशिक को जाता है, क्योंकि इससे पहले मुझे ज्यादातर लोग निगेटिव भूमिकाओं में ही लेते थे। मेरे अंदर की मासूमियत को अमर भाई ने ही पहचाना।' इसके अलावा अभिषेक वेब सीरीज राणा नायडू 2 की भी शूटिंग कर रहे हैं।

रॉकेट ब्वॉयज में जो कमी रह गई, उसे फ्रीडम एट मिडनाइट में दूर कर रहे निखिल आडवाणी, नजर आएंगे विदेशी कलाकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। निखिल आडवाणी निर्मित-निर्देशित वेब सीरीज फ्रीडम एट मिडनाइट की स्टार कास्ट में चार ब्रिटिश कलाकार शामिल हुए हैं, जो देश की आजादी के दौरान अंग्रेजी अफसरों के किरदार निभाएंगे। इनमें आखिरी वाइसरॉय लॉर्ड लुइस माउंटबेटन भी शामिल हैं। फ्रीडम एट मिडनाइट देश की माउंटबेटन के रोल में दिखेंगे, जबकि बुगेजा लेडी एडविना माउंटबेटन का रोल निभा रही हैं। फिनले, आर्चीबाल्ड वेवेल के किरदार में दिखेंगे, कमांडर इन चीफ और माउंटबेटन से पहले भारत के गवर्नर थे। कुलम, 1945 से 1951 के बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली के रोल में हैं। टेवरसन सीरिल रेडक्लिफ

आजादी और बंटवारे के बाद के हालात को दिखाती है। सीरीज में ब्रिटिश कलाकार अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह सीरीज सोनीलिव पर स्ट्रीम की जाएगी। इससे पहले निखिल आडवाणी की सीरीज रॉकेट बॉयज को काफी सराहा गया था। फ्रीडम एट मिडनाइट इसी नाम से आई किताब पर आधारित है जिसे डोमिनिक लैपियरे और लैरी कोलिंस ने लिखा था। कुछ दिनों पहले महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू और सरदार पटेल की झलक के साथ सीरीज की घोषणा की गई थी। मंगलवार को नये कलाकारों की जानकारी दी गई। सीरीज को ल्यूक मैकगिबनी, एंड्रू कुलम, रिचर्ड टेवरसन, एलिस्टेयर फिनले और कोरडेलिया बुगेजा ने ज्वाइन किया है। मैकगिबनी, आखिरी वाइसरॉय लॉर्ड के रोल में हैं, जो देश का बंटवारा करने वाले बाउंड्री कमीशन के चेयरमैन थे। डोमिनिक लैपियरे और लैरी कोलिंस की किताब फ्रीडम एट मिडनाइट पर बनी सीरीज सोनीलिव पर प्रसारित की जाएगी। किताब पर आधारित कहानी अभिनंदन गुप्ता, अद्वितीय करेंग दास, गुरदीप कौर, दिव्या निधि शर्मा, रवीना साराभाई और एथन टेलर ने लिखी है। सीरीज को लेकर निखिल आडवाणी ने कहा- रॉकेट बॉयज के निर्माण के दौरान हमें जिस बात का सबसे अधिक अफसोस रहा, वो ये थी कि हम यूके और यूएस के इंटरनेशनल कलाकारों को शामिल नहीं कर सके थे। कोविड और लॉकडाउन ने हमें इसकी इजाजत नहीं दी। जब हमने फ्रीडम एट मिडनाइट की कास्टिंग शुरू की तो तय किया कि इस भूल को दुरुस्त करेंगे।

माहिष्मती सिंहासन के लिए लड़ाई यहीं नहीं होगी खत्म, फिर लौटेगा 'बाहुबली' प्रमोशन के बीच मेकर्स ने बताई बड़ी बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एसएस राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' की रिलीज के इतने साल बीतने के बाद भी लोगों में इस फिल्म का क्रेज बरकरार है। 'बाहुबलीः द बिगनिंग' के बाद 'बाहुबलीः द कन्क्लूजन' ने सफलता के बाद एसएस राजामौली 'बाहुबलीः क्राउन ऑफ ब्लड' लेकर आ रहे हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने इसका एलान किया था। यह एनिमेशन सीरीज होगी। मंगलवार 7 मई को हैदराबाद में एसएस राजामौली ने इसका प्रमोशन किया। दौरान एक बड़ी हिंट दी। उन्होंने कहा, ''बाहुबली फिल्में पूरे पार्ट का एक हिस्सा हैं। इसके एक सीरीज जैसी फ्रेंचाइजी बनने के लिए और भी पार्ट्स हैं। यह ऐसी फिल्म है, जो बच्चों के लिए न हो, लेकिन एडल्ट एंटरटेनमेंट यानी बड़े जरूर

भी दुनियाभर में खूब नोट छापे। इन फिल्मों की सक्सेस के बाद एसएस राजामौली बाहुबली कहानी को अनोखे अंदाज में ओटीटी पर पेश करेंगे। एसएस राजामौली की फिल्में न सिर्फ टिकट विंडो पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई करती हैं बल्कि लंबे समय तक लोगों के मन में छाप भी छोड़ती हैं। उन्होंन बाहुबली सीरीज की दो फिल्में सिल्वर स्क्रीन पर दिखाई जिसे लोग आज भी देखना पसंद करते हैं। अब एक बार फिर बाहुबली लौट आया है लेकिन नए कलेवर में। नई सीरीज के प्रमोशन के दौरान मेकर्स ने दिल खुश करने वाली बात बताई। प्रभास और राणा दग्गुबाती स्टारर 'बाहुबली' की इस दौरान उन्होंने एक ऐसी बात बताई, जो फैंस की खुशी को दोगुना कर सकती है। राजामौली ने बताया कि क्यों उन्होंने बाहुबली फिल्म की कहानी को एनिमेशन के तौर पर प्रेजेंट किया। उन्होंने कहा कि इंडियन फिल्ममेकर्स को एनिमेशन को कहानी बताने के सुनहरे मौके के तौर पर देखना चाहिए। उन्होंने बताया कि बाहुबली का गेम, वीआर फिल्म और इसे एक सीरीज के तौर पर पेश करने की भी प्लानिंग की गई, लेकिन कुछ काम नहीं आया। अंत में एनिमेशन बनाकर बाहुबली की कहानी को दिखाने का फैसला किया। बाहुबली फिल्म्स के प्रोड्यूसर शोबू यार्लागड्डा ने इस देख सकते हैं। हम चाहते थे कि बाहुबली की दुनिया से लोग हर अलग तरीके से जुड़ें। इस फिल्म से जुड़ी और भी चीजें दिखाने के लिए हमारे पास अभी बहुत कुछ बाकी है।'' 'बाहुबलीः क्राउन ऑफ ब्लड' डिजनी प्लस हॉटस्टार पर 17 मई से शुरू हो रही है। एक बार फिर माहिष्मती सिंहासन के लिए भल्लालदेव, बाहुबली से लड़ते नजर आएंगे। एक बार फिर 'महेंद्र बाहुबली' अपने पिता 'अम्रेंद्र बाहुबली' (दोनों रोल में प्रभास) की मौत का बदला लेने के लिए भल्लालदेव (राणा दग्गुबाती) का खून बहाते देखे जाएंगे।

जाह्नवी कपूर ने ट्रांसपेरेंट ड्रेस में कराया ऐसा फोटोशूट, मदमस्त अदाओं पर अटका फैंस का दिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर (र्व्हपन्ग् र्ख्व्ददे) एक्टिंग के साथ-साथ अपनी बोल्डनेस के लिए भी जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर वह अक्सर ऐसी-ऐसी फोटोज शेयर करती हैं कि देखने वाले बस देखते रह जाएं। बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेस जाह्नवी होती है। वह आ?ए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरों के साथ दोस्तों संग चिल मारते हुए फोटोज भी शयेर करती हैं। इस बीच जाह्नवी लगातार हॉट और बोल्ड तस्वीरें पोस्ट करती नजर आ रही हैं। उन्होंने हाल ही में स्किन कलर की ट्रांसपेरेंट ड्रेस में कातिलाना तस्वीरों में अपने हुस्न का जलवा

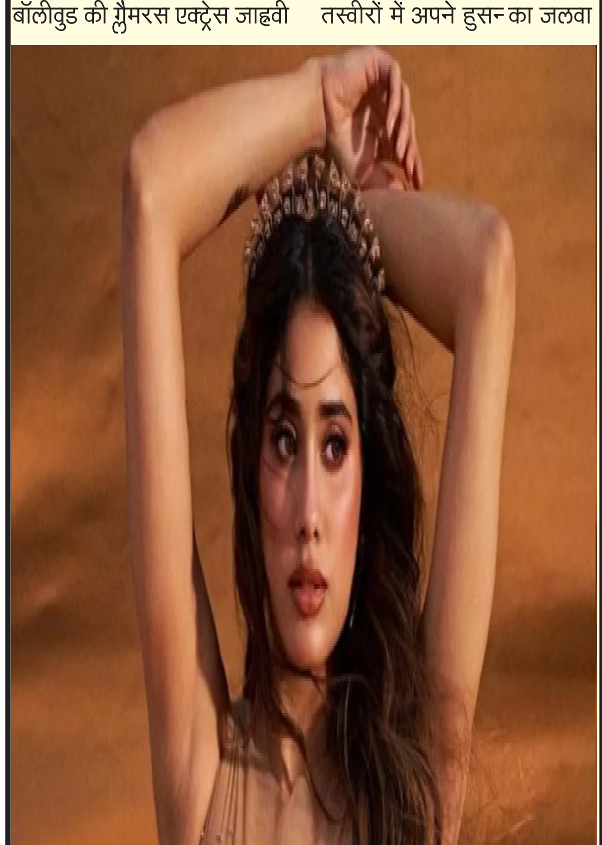

कपूर किसी परिचय की मोहताज नहीं रह गई हैं। मिस्टर एंड मिसेज माही से जल्द एक बार फिर थिएटर्स में एंट्री लेने वाली जाह्नवी एक बार फिर अपनी कातिलाना अदाओं से लोगों को दीवाना बना रही हैं। ट्रांसपेरेंट ड्रेस में कराया गया उनका ये फोटोशूट सोशल मीडिया पर आग लगा रहा है। जाह्नवी कपूर ने फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। 2018 से लेकर अब तक उन्होंने सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग बना ली है। उनकी हर एक फोटो सोशलम मीडिया के किसी भी प्लेटफॉर्म पर आग की तरह वायरल दिखाया है। जाह्नवी ने गोल्डन शिमरी ड्रेस में कातिलाना अदाएं दिखाई हैं। कभी कैमरे से परे देखते हुए, तो कभी कैमरे की तरफ, एक्ट्रेस का हर एक लुक उनके फैंस का दिल जीत रहा है। इस बात में कोई शक नहीं है कि जाह्नवी को खूबसूरती श्रीदेवी से ही मिली है। इसका सबूत उनकी कुछ और तस्वीरें भी हैं। बिकिनी में जाह्नवी कपूर ने दिखाई कातिलाना अदाएं। जाह्नवी कपूर की 31 मई को 'मिस्टर एंड मिसेज माही' रिलीज होगी। ये फिल्म राजकुमार राव के साथ होगी। इसके अलावा उनके साथ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' भी है।

जब सेट पर इकट्ठा होते हैं एक साथ 17 कलाकार, वेलकम टू जंगल को लेकर श्रेयस तलपड़े ने बताई दिलचस्प बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड में कई ऐसे फिल्में बनी हैं, जिसमें एक साथ कई सुपरस्टार्स नजर आए हो और वो दत्ता समेत कई सेलेब्स के साथ वेलकम फ्रेंचाइजी वेलकम टू जंगल (ॅंत्म्दस ऊद ऊप ब्रुहुत) में नजर आने वाले हैं । अक्कस देखा जाता है परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, तुषार कपूर, कृष्णा अभिषेक सहित करीब 17 कलाकार हैं। सभी कलाकारों के अपने विचार और

मूवी पर्दे पर हिट भी हुई है। एक बार फिर दर्शकों को ऐसा ही कुछ देखने को मिलेगा। फिल्म वेलकम टू जंगल (ॅंत्म्दस ऊद ऊप ब्रुहुत) में 3 नहीं 6 नहीं बल्कि पूरे 17 सेलेब्स एक साथ नजर आएंगे। बॉलीवुड अभिनेता श्रेयस तलपड़े (ऐर्पेर्ब ऊेर्त्र्जे) इस साल एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आने वाले हैं। एक तरफ जहां उनकी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म कर्तम भुगतम का ट्रेलर रिलीज हुआ। तो वहीं दूसरी तरफ जल्द अक्षय कुमार संजय दत्त लारा कि जब कई सेलेब्स एक साथ एक ही फिल्म में आते हैं तो सेट पर चीजें अस्त-व्यस्त होने की थोड़ी आशंका होती है या फिर मस्ती की। ऐसा ही कुछ फिल्म वेलकम टू जंगल में भी है, जिसका हिस्सा अभिनेता श्रेयस तलपड़े (ऐर्पेर्ब ऊेर्त्र्जे) हैं। हाल ही में उन्होंने इंटरव्यू में फिल्म को लेकर बात की है। बता दें कि वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म में अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, अरशद वारसी, लारा दत्ता, दिशा पाटनी, सुझाव होते हैं। ऐसे में इतने सारे विचारों और सुझावों के साथ सहज शूटिंग करने का श्रेय श्रेयस अपने निर्देशक अहमद खान को देते हैं। उन्होंने कहा है कि , 'हम सभी सुबह वेलकम टू जंगल में 17 कलाकारों के साथ तैयार होकर अहमद से पूछते हैं कि आज हम क्या कर रहे हैं। वह पूरा दृश्य पढ़ते हैं। फिर हर कोई विचार रखता है। आगे अभिनेता ने बताया कि अहमद सबकी बात सुनते हैं, लेकिन वहीं करते हैं जो वह चाहते हैं।

आरती सिंह ने दिखाई पहली रसोई की झलक, ससुराल में एक्ट्रेस ने बनाई ये डिश, लाल सूट में लगीं बला की खूबसूरत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गोविंदा की भांजी और एक्ट्रेस आरती सिंह की शादी खूब

चर्चा में रही। इस शादी में गोविंदा की शिरकत ने रौनक और बढ़ा दी। आरती ने एक लंबे गैप के बाद शादी की, मगर उनकी वेडिंग किसी बॉलीवुड एक्ट्रेस की शादी से कम नहीं रही। टेलीविजन इंडस्ट्री की एक्ट्रेस आरती सिंह ने 25 अप्रैल को दीपक चौहान के साथ धूमधाम से शादी की। उनकी वेडिंग काफी सुर्खियों में रही। इसकी एक वजह गोविंदा का शादी में आना था। दूसरी वजह खुद आरती थीं जो अपनी शादी के दिन बहुत खूबसूरत लग रही थीं। अब एक्ट्रेस ने अपनी पहली रसोई की झलक दिखाई है जिसे देख फैंस ने उनकी तारीफ की है। आरती सिंह ने टेलीविजन की दुनिया में खूब नाम कमाया है। गोविंदा की भांजी और कृष्णा अभिषेक की बहन होने के बाद भी उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी पहचान अपने दम पर बनाई है। आरती की शादी के साथ ही ससुराल से आई उनकी फोटो भी खूब वायरल हो रही है, जहां उनका ग्रैंड अंदाज में स्वागत हुआ है। आरती लगातार अपनी शादी की तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस ने कुछ दिन पहले अपनी फर्स्ट नाइट की एक फोटो दिखाई थी, जिसमें वह बालकनी में बैठे पोज दे रही थीं। अब उन्होंने अपनी पहली रसोई की तस्वीरें पोस्ट की हैं। आरती सिंह ने 25 अप्रैल को दीपक चौहान संग सात फेरे लिए थे। दोनों ने एक दूसरे को एक साल तक डेट करने के बाद शादी करने का फैसला लिया।

संजय दत्त की मुन्ना भाई 3 के लिए राज कुमार हिरानी के पास हैं तीन स्क्रिप्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिनों भले ही सीक्वल और फ्रेंचाइजी फिल्मों का चलन जोरों पर चल रहा हो, लेकिन फिल्मकार राजकुमार हिरानी ने मुनन भाई एमबीबीएस (2005) और लगे रहो मुनन भाई (2008) फिल्मों से इसकी शुरुआत काफी पहले कर दी थी। संजय दत्त की फिल्म मुनन भाई एमबीबीएस बॉलीवुड की कुछ शानदार फिल्मों में शामिल है। इसके बाद फ्रेंचाइजी की दूसरी किस्त भी हिट रही है।

फिल्म में संजय दत्त के साथ-साथ अरशद वारसी को भी पॉपुलैरिटी मिली थी। अब उन्होंने मुनन भाई एमबीबीएस की तीसरी किस्त को लेकर बात की। एक्टर ने बताया कि फिल्म के लिए मेकर्स के पास 3 स्क्रिप्ट है। उसके बाद उन्होंने इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म मुनन भाई चले अमेरिका की भी घोषणा कर दी थी, लेकिन वह फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई। अब सिर्फ सिनेप्रेमियों को नहीं इस फिल्म के कलाकारों को भी इस फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त का इंतजार है। इस फ्रेंचाइजी में सर्किट की भूमिका में लोकप्रियता बटोरने वाले अभिनेता अरशद वारसी की मानें तो सभी चाहते हैं इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म बने। इस बारे में हाल ही में एक इंटरव्यू में अरशद ने कहा, 'विधु विनोद चोपड़ा (निर्माता) चाहते हैं कि यह बने, राजकुमार हिरानी (निर्देशक) भी चाहते हैं कि यह बने, संजय भाई (संजय चलान दत्त) और मैं भी चाहता हूं कि यह बने, लेकिन फिल्म अभी बन नहीं रही है।' आगे अरशद ने कहा कि फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म के लिए राजू (राजकुमार हिरानी) के पास तीन अच्छी पटकथाएं (स्क्रिप्ट) हैं, लेकिन सभी में कुछ न कुछ कमी है। मुझे नहीं लगता है कि वह हाल फिलहाल में बन रही हैं। अब बहुत समय बीत चुका है। मैंने राजू से कहा कि जो चीज शुरू हुई है, उसका अंत भी होना चाहिए। ऐसा लगता है कि हमने मुनन भाई फिल्म फ्रेंचाइजी को आधे में छोड़ दिया। मुनन भाई सीरीज को खत्म (पूरी) करने की आवश्यकता है।' अब देखते हैं राजकुमार हिरानी इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म को लेकर अगला कदम कब उठाते हैं।

ऑस्कर में तहलका मचाने वाली 'गॉडजिला माइनस वन' ओटीटी पर देगी दस्तक, जानें डिटेल्स

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लाइव-एक्शन मूवी 'गॉडजिला माइनस वन' ने थिएटर्स में खूब धूम मचाई। अब फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। 'गॉडजिला

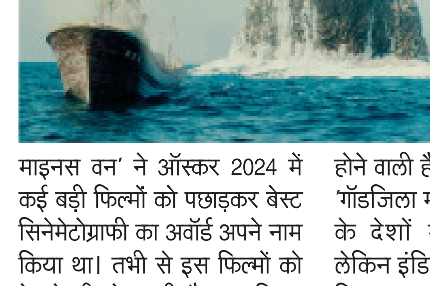

माइनस वन' ने ऑस्कर 2024 में कई बड़ी फिल्मों को पछाड़कर बेस्ट सिनेमेटोग्राफी का अवॉर्ड अपने नाम किया था। तभी से इस फिल्मों को देखने की होड़ मची है। इस फिल्म को लेकर इंडियन ऑडियंस के बीच चर्चा बटोरने की एक और वजह है और वो है भारत में 'गॉडजिला माइनस वन' का रिलीज न होना। गॉडजिला माइनस वन बीते साल रिलीज हुई थी। जापान के साथ- साथ ये फिल्म दुनियाभर के कई देशों में प्रीमियर की गई लेकिन भारत के थिएटर्स में रिलीज नहीं हुई। जब फिल्म ने ऑस्कर 2024 में अवॉर्ड जीता तो गॉडजिला माइनस वन को लेकर चर्चा एक बार फिर शुरू हो गई। वहीं अब खबर आई है कि फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने वाली है जापान के साथ- साथ 'गॉडजिला माइनस वन' दुनियाभर के देशों में रिलीज हुई थी, लेकिन इंडिया में इसे रिलीज नहीं किया गया। वहीं, अब जानकारी आई है कि इंडियन ऑडियंस के लिए इस फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं
आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।